सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 205 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 09 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

## खास-खबर

### छत्तीसगढ़ में 2 दिन 60 किमी की रफ्तार से चलेगी हवाः यूपी में बने सिस्टम से बदला मौसम

**रायपुर।** यूपी से ओडिशा तक बनी ट्रफ लाइन के असर से छत्तीसगढ़ में मौसम बदला हुआ है। प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में आज भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। अगले दो दिनों तक कुछ जगहों पर 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। हालांकि 11 मई के बाद आंधी-तूफान की गतिविधियों में धीरे-धीरे कमी आने के संकेत हैं। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। शुक्रवार को प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज हुआ। बीते 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव दर्ज नहीं किया गया। आने वाले दो दिनों तक तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होगा, लेकिन उसके बाद अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है।

### रिश्वतखोरी मामले में दुर्ग का पटवारी निलंबित

**दुर्ग।** सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित रिश्वतखोरी वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक पटवारी को निलंबित कर दिया है। कलेक्टर के निर्देश पर भिलाई तीन एसडीएम ने यह कार्रवाई की। पूरा मामला भूमि बंटवारे के एवज में रकम लेने से जुड़ा बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था। जिसमें राजस्व विभाग से जुड़े कर्मचारी पर पैसे लेने के आरोप लगाए गए थे। वीडियो सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि भिलाई 3 अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने तहसील कार्यालय में पदस्थ पटवारी लेकेश्वर सिंह ठोकर भूमि बंटवारे की प्रक्रिया के बदले कथित रूप से 45 हजार रुपये की राशि लेकर काम नहीं कर रहा था, जिसके बाद पीड़ित ने पटवारी लेकेश्वर सिंह ठाकुर का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया था। जांच के बाद पटवारी लेकेश्वर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

### वन विभाग ने भारी मात्रा में जब्त की साल की लकड़ी

**मरवाही।** वनमंडल में अवैध लकड़ी कारोबार के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पिपरखुटी गांव में भारी मात्रा में साल लकड़ी जब्त की है। यह कार्रवाई मरवाही वनमंडल अधिकारी ग्रीष्मी चांद के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम पिपरखुटी में अवैध रूप से साल लकड़ी का भंडारण किया गया है। सूचना मिलते ही डीएफओ के निर्देश पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर छापेमार कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान लाल सिंह राठौर के घर से 136 नग साल चीरान तथा 11 नग साल के लठ्ठे बरामद किए गए। वन विभाग ने सभी लकड़ियों को जब्त कर लिया है। वन विभाग आगे की जांच में जुट गया है।

# शुभेंदु अधिकारी बने बंगाल में भाजपा के पहले सीएम अग्निमित्रा पॉल सहित पांच विधायकों ने भी ली शपथ

## प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित 20 राज्यों के मुख्यमंत्री हुए शामिल

**कोलकाता ए.।** पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत के बाद शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शुभेंदु ने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद सुवेंदु पीएम मोदी के पास गए और उनके पैर छुए। सुवेंदु के साथ शुभेंदु अधिकारी के साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तिनिया, खुदीराम टुडू व निशिथ घोष ने भी शपथ ली। यानी यह सभी विधायक भी मंत्री बनेंगे।

बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद शनिवार को कोलकाता के ऐतिहासिक परेड ग्राउंड में शपथ ग्रहण समारोह को आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे सबसे पहले शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शुभेंदू ने भबानीपुर से सीएम ममता बेनर्जी को 15 हजार से ज्यादा मतों से हराया। शुभेंदू ने अपनी पारंपरिक सीट नंदीग्राम से भी टीएमसी प्रत्याशी को हराया। शुभेंदु के बाद पांच विधायकों ने भी शपथ ली। इस दौरान पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, एनडीए और भाजपा शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री मौजूद रहे।

### रवींद्रनाथ को दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम में सबसे पहले मोदी ने मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पीएम ने मंच पर भाजपा के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया। मंच पर आते ही प्रधानमंत्री सीधे सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और फिर उनके पैर छुए। इसके बाद सरकार ने देर तक प्रधानमंत्री को गले लगाए रखा।

### सबसे पुराने कार्यकर्ता का पीएम मोदी ने किया अभिवादन

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के वरिष्ठतम कार्यकर्ताओं में से एक माखनलाल सरकार का अभिनंदन किया और उनसे आशीर्वाद लिया। 1952 में, भारतीय तिरंगा फहराने के आंदोलन के दौरान श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ कश्मीर में मौजूद माखनलाल सरकार को गिरफ्तार कर लिया गया था। 98 वर्ष की आयु में भी श्री माखनलाल सरकार स्वतंत्रतोत्तर भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े शुरुआती जमीनी स्तर के नेताओं में से एक हैं।

### शुभेंदू का संक्षिप्त परिचय

1970 में पूर्व मेदिनीपुर के कोंतली गांव में जन्मे सुवेंदु का बचपन से ही आस्था की ओर झुकाव है। हर शनिवार रामकृष्ण मिशन जाना उनका तय रूटीन था। वे बचपन में इतने धार्मिक थे कि घरवालों को डर लगने लगा था कहीं बेटा संन्यासी न बन जाए। घर में जमा सिक्के भी चुपचाप मिशन में दान कर आते थे। परिवार को लगता था, कभी भी घर छोड़ सकते हैं। लेकिन सुवेंदु ने दूसरा फैसला लिया... संन्यास नहीं, राजनीति करेंगे और शादी भी नहीं करेंगे। 80 के दशक के अंत में कांथी के प्रभात कुमार कॉलेज से सुवेंदु की छात्र राजनीति शुरू हुई। धीरे-धीरे पूर्व मेदिनीपुर में अपनी अलग पहचान बना ली।

## विजय की सरकार बनने पर अब भी पेंच, बहुमत से दो सीट कम

**चेन्नई।** तमिलनाडु में विजय सरकार बनाने पर राजनीतिक सस्पेंस अब भी बरकरार है। टीवीके चीफऔर एक्टर विजय ने शुक्रवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलकर लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दावा पेश किया, लेकिन उनके पास महज 116 विधायकों का ही समर्थन पत्र था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक बहुमत का आंकड़ा न होने के कारण आज होने वाला विजय का शपथ समारोह कैंसिल हो गया है। दरअसल, विजय ने राज्यपाल को टीवीके, कांग्रेस, CPI, CPI(M) के 116 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा था। ङ्कष्टय् और ढ्ढरूरु ने अब तक समर्थन पत्र नहीं दिया है। दोनों के पास 2-2 विधायक हैं। बताया जा रहा है कि VCK और IUML कि इन दोनों पार्टियों की बैठक के बाद समर्थन पर

निर्णय होगा। विजय को भी बहुमत के लिए महज 2 विधायक और चाहिए। इससे पहले विजय ने 6 और 7 मई को भी सरकार बनाने का दावा पेश किया था। लेकिन राज्यपाल ने कहा कि 118 विधायकों का समर्थन दिखाए बिना वे सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं कर सकते।

## छत्तीसगढ़ इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा का नोटिस जारी, 13 मई से 11 जून तक होगा रजिस्ट्रेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) ने स्टेट इंजीनियरिंग सर्विस एग्जामिनेशन 2026 के लिए भर्ती अधिसूचना जारी कर दी है। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 46 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डिग्री रखने वाले उम्मीदवार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 13 मई 2026 से शुरू होगी, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 11 जून 2026 तय की गई है।

सीजीपीएससी इंजीनियरिंग सर्विस परीक्षा 2026 के माध्यम से विभिन्न विभागों में सहायक अभियंता स्तर के पद भरे जाएंगे। चयनित उम्मीदवारों को 56,100 से 1,77,500 रुपये तक का वेतनमान मिलेगा। भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन आयोजित होगी।

उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से सिविल, मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीई/बीटेक डिग्री होना अनिवार्य है। कुछ विशेष पदों के लिए एएमआईई प्रमाणपत्र को भी मान्य माना गया है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ का मूल निवासी प्रमाणपत्र आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए जरूरी होगा। भर्ती के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और अधिकतम आयु 30 वर्ष निर्धारित की गई है। आयु की गणना 11 जून 2026 के आधार पर की जाएगी। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट मिलेगी। उम्मीदवारों का चयन दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में लिखित परीक्षा आयोजित होगी, जबकि दूसरे चरण में इंटरव्यू या पर्सनैलिटी टेस्ट लिया जाएगा। अंतिम मेरिट सूची दोनों चरणों में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार होगी।

## कांकेर में चोरों ने जियो टावर की 72 बैटरी उड़ाई, मामला दर्ज

**कांकेर।** जिले के बांदे थाना क्षेत्र के ग्राम गोपालपुर में जियो टावर में लगे 72 नग बैटरी चोरों ने चोरी कर ली। इस घटना की जानकारी लगते ही कंपनी के सुपरवाइजर ने थाने में मामला दर्ज कराया है। जहां पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि पीवी 109 गोपालपुर में कंपनी की ओर से एक जियो टावर लगाया था। बीती रात अज्ञात चोरों ने 5 लाख रुपये की लागत की 72 नग बैटरी चोरी हो गई। कंपनी के सुपरवाइजर ने जब वहां जाकर देखा तो पता चला कि बैटरी बॉक्स में ताला लटका हुआ है। जबकि अंदर लगी हई बैटरी चोरी हो गई है। सुपरवाइजर ने इस मामले की जानकारी कंपनी के अधिकारियों को देने के साथ ही बांदे थाना में रिपोर्ट की। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दिया गया है।

## बालोद में भीषण हादसा : तेज रफ्तार कार और बाइक में सीधी भिड़ंत, तीन दोस्तों की गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बालोद।** जिले के डौंडीलोहारा थाना अंतर्गत बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। ग्राम खैरीडीह के समीप तेज रफ्तार कार और बाइक के बीच हुई सीधी भिड़ंत में बाइक सवार तीनों युवकों की मौके पर ही जान चली गई। मृतकों की उम्र महज 20 से 21 वर्ष के बीच थी, जो ग्राम पिंकापार के निवासी थे।

प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, हादसा देवरी-डौंडीलोहारा मार्ग पर हुआ। पिंकापार निवासी तरुण यादव (20), राहुल सेवता (20)

और नरेंद्र भुआर्या (21) देर रात अपनी मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी खैरीडीह के पास सामने से आ रही कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और युवकों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। गंभीर चोटें आने के कारण तीनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

एक ही गांव के तीन युवाओं की मौत की खबर जैसे ही पिंकापार पहुंची, वहां सन्नाटा पसर गया। मृतकों के घर में चीख-पुकार मची हुई है। गांव वालों का कहना है कि तीनों दोस्त काफी मिलनसार थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डौंडीलोहारा पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है और टक्कर मारने वाली कार के चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

### नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन

## छत्तीसगढ़ में शेड्यूल जारी, 1 जून मतदान और 4 जून को परिणाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने आज 8 मई 2026 को राज्य के नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन के लिए निर्वाचन कार्यक्रम जारी कर दिया है। कार्यक्रम अनुसार नगरीय निकायों तथा त्रिस्तरीय पंचायतों के आम व उप निर्वाचन की कार्रवाई 11 मई 2026 से प्रारम्भ होकर दिनांक 4 जून 2026 तक संपन्न होगी। एक जून को मतदान और 4 जून को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

बता दें नगरपालिकाओं के अध्यक्ष के 05 पद तथा वार्ड के पार्षद के 77 पद, कुल 82 पदों तथा त्रिस्तरीय पंचायतों में

जनपद पंचायत सदस्य के 10. सरपच के 82 तथा पच के 1136 पद, कुल 1228 रिक्त पदों पर चुनाव होना है। इसके लिए 11 से 18 मई 2026 तक नामांकन प्राप्त किये जाएंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 19 मई को होगी तथा 21 मई तक नाम वापस लिये जा सकेंगे। नगरीय निकायों हेतु मतदान तिथि 1 जून एवं परिणामों की घोषणा 4 जून को होगी।

त्रिस्तरीय पंचायतों हेतु मतदान एवं मतगणना 1 जून 2026 को की जाएगी। सारणीकरण एवं परिणामों की घोषणा 4 जून 2026 को की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही ऐसे नगर पालिकाओं के एवं पंचायत क्षेत्रों में जहां निर्वाचन सम्पन्न होना है, आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने बताया की आयोग द्वारा आम व उप निर्वाचन हेतु विहित कार्यक्रम जारी कर जिला निर्वाचन अधिकारियों को, कार्यक्रम अनुसार निर्वाचन की कार्यवाही करने के निर्देश प्रसारित कर दिये है तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से निर्वाचन संपन्न कराने हेतु आयोग द्वारा व्यापक तैयारियां कर ली गई है। निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार नगरीय निकायों के कुल 44525 मतदाता तथा त्रिस्तरीय पंचायतों के कुल 1037789 मतदाता निर्वाचन में भाग लेंगें। मतदान के लिए नगरीय निकायों के निर्वाचन हेतु कुल 115 तथा त्रिस्तरीय पंचायतों के अंतर्गत कुल 937 मतदान केन्द्र निर्धारित किये गये है।

नगरीय निकायों के निर्वाचन दलीय आधार पर ईवीएम (मतदान मशीनों) से तथा त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचन गैर दलीय आधार पर मतपेटी के माध्यम से कराए जाएंगे। सभी नगरीय निकायों में मतदान सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक तथा त्रिस्तरीय पंचायतों में मतदान प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक होगा।

## अबूझमाड़ के जंगल में सर्च ऑपरेशन हथियार और विस्फोटक बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

**नारायणपुर।** जिले के अबूझमाड़ टोके उपरपारा में बीएसएफ जवानों को जंगल में बड़ी सफलता हाथ आई। जहां जवानों ने सर्चिंग के दौरान बंदूक व कारतूस और विस्फोटक बरामद किए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर में सुरक्षा बलों को सर्चिंग के दौरान बड़ी कामयाबी मिली है। जवानों के द्वारा सर्चिंग के दौरान अबूझमाड़ के टोके उपरपारा जंगल में पहुंचे। जहां भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया है। जवानों को 315 बोर बंदूक, बीजीएल, जिंदा कारतूस, डेटोनेटर

व आईईडी सामग्री जब्त की है। जवानों का कहना था कि खुफिया सूचना के आधार पर बीएसएफ द्वारा चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान यह सफलता मिली है। यह मामला नारायणपुर जिले के कोहकामेटा थाना क्षेत्र का मामला बताया जा रहा है। जवानों के द्वारा अभी भी इलाके में सर्च अभियान जारी है।

## होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हादसाः भारतीय चालक दल की नाव में आग, एक की मौत

**नईदिल्ली ए.।** होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक भारतीय नाविक की मौत हो गई है। इसके साथ ही कई अन्य घायल हो गए हैं। दरअसल, यह हादसा एक लकड़ी की नाव में आग लगने से हुई है। यह जानकारी एक सरकारी सूत्र ने शनिवार को दी है।

न्होंने बताया कि शुक्रवार को हुई घटना के बाद 17 अन्य भारतीय चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया। यह भी बताया कि आग लगने के सटीक कारण का अभी पता लगाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, चालक दल के सदस्यों को उस क्षेत्र से गुजर रहे एक जहाज ने बचाया। यह घटना होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती शत्रुता के बीच हुई है, जो फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक

महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जिससे होकर दुनिया की तेल आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है।

बताया जा रहा है कि सामान्य माल से लदी एक लकड़ी की नाव, जिसमें 18 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे, कल होर्मुज जलडमरूमध्य के पास आग लगने के बाद पलट गई।' इस घटना में नाव पर सवार एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि चार लोग झुलस गए। घायलों का दुबई में इलाज चल रहा है और वे सुरक्षित हैं।

### भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने की मुलाकात

एक अन्य सूत्र ने बताया कि दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने कल रात बचाए गए भारतीय नागरिकों से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि वाणिज्य दूतावास नाव मालिक के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

## संपादकीय

# हाशिये पर आधी दुनिया

### दावे तो बड़े मगर प्रतिनिधित्व कम

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदवार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई।

> “ दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फदस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं।

हालिया विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वत: ही महिलाओं को ईमानदारी से तैंतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है। विश्वास करें कि सभी राजनीतिक दल महिलाओं को उनका वाजिब हक देने के लिए ईमानदार पहल करेंगे। सवाल है कि जो राजनीतिक दल हाल में महिलाओं को आरक्षण देने और परिसीमन के मुद्दे पर संसद में जमकर राजनीति कर रहे थे, वे टिकट वितरण के समय महिलाओं के हक को लेकर गंभीर क्यों नजर नहीं आए? उन्होंने महिलाओं को पर्याप्त संख्या में टिकट देने के प्रति उत्साह क्यों नहीं दिखाया? सही मायने में जब तक विधायिका में महिला आरक्षण व्यवस्था हकीकत में लागू नहीं होती, तस्वीर नहीं बदलने वाली है। सवाल यही है कि जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक लागू करने में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी है तो टिकट बांटते समय उनकी सोच क्यों नहीं बदलती? उनकी कथनी-करनी का यह अंतर कब तक जारी रहने वाला है? इस मुद्दे पर उनका संजीदा व्यवहार क्यों नहीं होता है? आखिर राजनीतिक दलों में ईमानदार इच्छा शक्ति क्यों नहीं नजर आती है? हालिया चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सिर्फ पांच फीसदी महिलाओं का चुना जाना बताता है कि इस दिशा में सभी राजनीतिक दलों का आधी दुनिया के प्रति एक जैसा नजरिया ही होता है। इसलिए जरूरी है कि महिलाएं जागरूक होकर अपने अधिकारों को पाने के लिए अपना संघर्ष तेज करें। अन्यथा राजनीतिक दल दशकों से लटके मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार ही काम करेंगे। निश्चय ही हालिया विधानसभा के चुनाव परिणाम बताते हैं कि आधी दुनिया को जनप्रतिनिधि संस्थाओं में वाजिब हक दिलाने में राजनीतिक दलों की कवायद से, उनकी ईमानदारी को लेकर सवाल खड़े होना स्वाभाविक ही है।

# टीवीके यानी 'स्टार्टअप' राजनीतिक विकल्प

प्रमोद जोशी

टीवीके की सफलता के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन-ज़ी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के ज़रिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इन्हें नेताओं की जवाबदेही को भी समझना होगा। समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा के नायकों की तरह खासतौर से नहीं।

तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव-परिणामों ने देश में एक नए राजनीतिक 'स्टार्टअप' का नाम जोड़ा है। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके का चुनावी पदार्पण बेहद शानदार रहा है। 'स्टार्टअप' शब्द बिजनेस से आया है। तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों को यह नाम दिया जाता है और एक अरब डॉलर से ऊपर का कारोबार करने वाली कंपनी को 'यूनिकॉर्न' कहते हैं। माना जा रहा है कि टीवीके ने रातों-रात भारतीय राजनीति में 'यूनिकॉर्न' बनकर दिखाया है।

तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) ने अपने पहले ही चुनावी मुकाबले के बाद तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), आम आदमी पार्टी (आप), असम गण परिषद (एजीपी) और वाईएसआर कांग्रेस (वाईएसआरसीपी) जैसी पार्टियों के नक्शे-कदम सफलता हासिल की है। वह बेशक पहले ही राउंड में 'यूनीकॉर्न' बनकर उभरी है, पर पर्यवेक्षक मानते हैं कि उसे अभी कठोर परीक्षा से गुजरना होगा। अभी यह सेमीफाइनल जैसा लगता है। शायद साल-दो साल, नई सरकार आए या फिर से चुनाव कराने पड़ें।

टीवीके के पीछे नौजवानों की ताकत है, जिसे जेन-ज़ी माना जा रहा है। सोशल मीडिया के ज़रिए चुनाव जीतना एक बात है, लेकिन सत्ता के खेल को खेलना दूसरी बात है। इस पीढ़ी को घोषणापत्र पढ़ना, आर्थिक मुद्दों का अध्ययन करना या नेताओं की जवाबदेही का मतलब भी समझना होगा। परंपरागत राजनीति में भी युवा ही आगे आते हैं। पर समाधान झटपट नहीं मिलते और सिनेमा को नायकों की तरह खासतौर से नहीं।

तमिलनाडु में सिनेमा और राजनीति का गहरा संबंध रहा है। अन्नादुरै, एमजीआर, करुणानिधि और जयललिता जैसे सिनेकर्मी अपनी फिल्मी लोकप्रियता के दम पर मुख्यमंत्री बने। पर वे स्पष्ट एजेंडा और दीर्घकालिक रणनीतियों वाले राजनीतिक नेताओं के रूप में परिपक्व हुए। पहली नज़र में लग सकता है कि इतिहास खुद को दोहरा रहा है, एक और अभिनेता राजनीति में प्रवेश कर रहा है। लेकिन हकीकत में विजय के पीछे युवाओं का अंधाधुंध समर्थन, भोलापन है। राजनीतिक-परिपक्वता नहीं।

राज्य के मतदाता सत्ता-विरोधी लहरों पर सवार हैं। दशकों से वे द्रमुक और अद्रमुक दोनों को रोटेट करके नियंत्रित रखते आए हैं। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में जयललिता के निधन के बाद, नेतृत्व के अभाव और पार्टी की अंदरूनी खींचतान के कारण अन्नाद्रमुक पृष्ठभूमि में चली गई है। इस शून्य के कारण संभवत: टीवीके का उदय हुआ है। टीवीके संगठित प्रशंसक क्लब है। इसके ज्यादातर कार्यकर्ता विजय के प्रशंसक हैं, जो फिल्मों के रिलीज पर खुशी मनाने के आदी हैं, नीतियों पर बहस करने के नहीं। डीएमके, एआईएडीएमके, सीपीआई, सीपीआई-एम, वीसीके आदि जैसी सभी प्रमुख कार्यकर्ता-आधारित पार्टियों के विपरीत, जो राजनीतिक शिक्षा पर जोर देती हैं।

भारत में राजनीतिक 'स्टार्टअप' को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में रख सकते हैं। एक, किसी आंदोलन से उत्पन्न, दो, किसी पारिवारिक नाम, व्यक्तित्व या वंश के इर्द-गिर्द निर्मित, और तीन, किसी सामाजिक या धार्मिक समूह या विशिष्ट विचारधारा के इर्द-गिर्द विकसित। आंध्र में अस्सी के दशक में एनटी रामाराव के नेतृत्व में तेलुगु देशम को और दिल्ली में आम आदमी पार्टी को काफी सफलता मिली, पर दोनों मौकों पर जनता को विकल्पों की जबर्दस्त जरूरत थी।

वर्ष 1977 में जनता पार्टी भी राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा ही 'स्टार्टअप' था। 1967 में जब देश में गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ, तब भी वह विकल्प खोजने का प्रयास था। टीडीपी ने अपने गठन के एक साल बाद, 1983 में आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत से जीत हासिल की थी और 201 सीटें जीती थीं। एजीपी ने 1985 में अपने गठन के तुरंत बाद असम आंदोलन से जुड़े स्वतंत्र प्रतिनिधियों के समर्थन से सरकार बनाई थी।

1977 में जनता पार्टी ने तो 'यूनिकॉर्न' के रूप में ही शुरुआत की थी, पर वह अपने अंतर्विरोधों को संभाल नहीं पाई और देखते ही देखते अनेक दलों में विभाजित हो गई। बहुत कम राजनीतिक स्टार्टअप 'यूनिकॉर्न' बन पाए हैं। कुछ को समय लगा, जबकि कुछ विफल हो गए। पिछले साल बिहार में जन सुराज पार्टी के साथ ऐसा ही हुआ। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की मक्काल नीधि मय्यम भी ऐसी ही एक पार्टी है।

बिहार में पुष्पम प्रिया चौधरी के नेतृत्व वाली प्लूरल्स पार्टी जैसी कई छोटी-छोटी नवगठित पार्टियां हैं। वहीं, जीतन राम मांझी का हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (धर्मनिरपेक्ष) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा जैसी छोटी पार्टियां भी हैं, जिनकी महत्वाकांक्षाएं सीमित हैं और वे कुछ खास क्षेत्रों तक ही सीमित हैं। उ.प्र. में निषाद पार्टी, पीस पार्टी, अपना दल (सोनेलाल) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) जैसी पार्टियां हैं, पर ज्यादातर सीमित जातीय क्षेत्र होने के कारण बड़े स्तर पर जगह नहीं बना पाईं। इस किस्म के प्रयासों की संख्या बहुत बड़ी है।

देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें तो छह राष्ट्रीय पार्टियां हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मई, 2026 तक इनमें भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), बहुजन समाज पार्टी, नेशनल पीपुल्स पार्टी और आम आदमी पार्टी इस श्रेणी में शामिल हैं। मान्यता चुनावी प्रदर्शन के आधार पर मिली है।

जहां कांग्रेस का उदय स्वतंत्रता आंदोलन से हुआ, वहीं भाजपा, माकपा, बसपा और 'आप' का उदय उनकी राजनीतिक गतिविधियों के सहारे हुआ। एनपीपी मुख्यत: मेघालय की पार्टी है, जिसका गठन पीए संगमा ने 2013 में किया था। टीवीके की तुलना 1982 में आंध्र प्रदेश में उभरी तेलुगु देशम से की जा सकती है, जिसके पीछे फिल्म अभिनेता एनटी रामाराव की लोकप्रियता थी।

वर्ष 1972 में एमजी रामचंद्रन द्वारा स्थापित अन्ना द्रमुक वस्तुत: द्रमुक से टूटकर उसके ही विकल्प के रूप में बनी थी। एमजीआर के बाद इसे जयललिता जैसा नेतृत्व मिला। इस तथ्य पर भी ध्यान दें कि तमिलनाडु की द्रविड़-राजनीति में सिनेमा के कलाकारों की जबर्दस्त भूमिका रही है।

पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस, ओडिशा की बीजू जनता दल और तेलंगाना की एआईएमआईएम जैसी पार्टियां जो क्षेत्रीय स्तर पर शक्तिशाली बनकर उभरी हैं, उन्हें या तो किसी ऐसे जाने-माने राजनीतिक नेता के नेतृत्व में सफलता मिली है, जिन्होंने मूल पार्टी से अलग होकर पार्टी बनाई (ममता बनर्जी), या फिर पारिवारिक साख (नवीन पटनायक और असदुद्दीन ओवैसी) के कारण। हालांकि, एआईएमआईएम का गठन काफी पहले हुआ था, लेकिन ओवैसी के नेतृत्व में इसे लोकप्रियता मिली।

उ.प्र. में समाजवादी पार्टी, बिहार के राष्ट्रीय जनता दल और कर्नाटक के जनता दल (समाजवादी) के पीछे समाजवाद और जय प्रकाश नारायण के आंदोलनों की पृष्ठभूमि ज़रूर है, पर वे अब पारिवारिक साख पर केंद्रित हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), एनसीपी (एसपी), शिवसेना (यूबीटी) जैसी अन्य पार्टियाँ भी कमोबेश ऐसी ही पार्टियां हैं।

तमिलनाडु में विदुथलाई चिरुथाइगल काट्ची (वीसीके) दलितों की सुरक्षा के लिए एक आंदोलन के इर्द-गिर्द बनी थी और तमिलनाडु में इसे सीमित सफलता मिली है। पार्टियों की संख्या बढ़ते जाना, लोकतंत्र में गलत तो नहीं है, पर तब तक निरर्थक है, जब तक उसका कोई वैचारिक अर्थ न हो।

**लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।**

# देखो झालमुड़ी का जलवा, कर दिया कमाल

झालमुड़ी का कमाल देखिए बंगाल की शेरनी कही जानेवाली ममता दीदी की दहाड़ भी उसके सामने फीकी पड़ गयी। बल्कि अब तो कहा जा रहा है कि दहाड़ कहां रही, अब तो सिसकियां बची हैं।

वैसे तो विरोधी भाजपा पर अकूत धनबल का आरोप लगाते नहीं थकते, लेकिन कहा जा रहा है कि बंगाल में उसे चुनाव तो दस रुपये की झालमुड़ी ने ही जिताया। खैर, झालमुड़ी को अब देश में वही सम्मान प्राप्त हो सकता है जो कई वर्ष से बुलडोजर को हासिल है। फिर चाहे बुलडोजर के सामने उसकी स्थिति हाथी के सामने चींटी वाली ही क्यों न हो। झालमुड़ी का कमाल देखो कि बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता दीदी की दहाड़ भी उसके सामने फीकी पड़ गयी। बल्कि अब तो कहा जा रहा है कि दहाड़ कहां रही, अब तो सिसकियां निकल रही हैं।

कुछ लोग बंगाल में भाजपा की जीत का श्रेय झालमुड़ी के साथ ही साथ मछली भक्षण को भी दे रहे हैं। अब जाहिर है कि मछली भक्षण का झालमुड़ी से तो कोई मुकाबला नहीं हो सकता। क्योंकि झालमुड़ी तो खायी थी प्रधानमंत्री जी ने और मछली खायी अनुराग ठाकुर ने। ऐसे में खुद अनुराग ठाकुर ही यह मुकाबला नहीं चाहेंगे। बल्कि वे इस मुकाबले को विरोधियों की साजिश भी करार दे सकते हैं। यार, यह लोग नहीं बनने देंगे मंत्री! खैर, रविकिशन बंगालियों को चार गुना ज्यादा मछली खिलाने का वादा कर गए। डर यही है कि कहीं इस वादे को भी पंद्रह लाख वाले वादे की तरह जुमला ही न करार दे दिया जाए।

जो भी हो, भाजपा और तृणमूल कांग्रेस का मुकाबला तो खूब हुआ, लेकिन ममता दीदी और हिमंता बिश्व शर्मा के बीच का वह मुकाबला नहीं हुआ, जिसमें हिमंता ने ममता दीदी को यह चुनौती दी थी कि वह ममता दीदी के सामने बैठकर उनसे एक किलो ज्यादा मछली खा जाएंगे। एक जमाने में नेताओं में मुकाबला यह होता था कि कौन ज्यादा सादा जीवन जीता है, फिर मुकाबला यह होने लगा कि कौन ज्यादा घोटाला करता है और अब मुकाबला यह होने लगा है कि कौन ज्यादा खाएगा। एक मोदीजी हैं जो यह कहते-कहते थक गए कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा। वे दस रुपये की झालमुड़ी खाकर काम चला रहे हैं और एक हिमंता बिश्व शर्मा हैं कि मुकाबले की चुनौती दे रहे हैं कि वे अच्छी से अच्छी और महंगी से महंगी मछली भी ममता दीदी से एक किलो ज्यादा खा सकते हैं।

अच्छी बात यह है कि अब चुनाव झालमुड़ी, मछली भक्षण तथा फुटबाल वगैरह पर होने लगे हैं, वरना तो साहब एक जमाना वह भी था, जब चुनाव भूख, गरीबी और बेरोजगारी पर होता था। फिर वह बिजली, सड़क और पानी पर होने लगा-जिसे बीएसपी कहा जाता था। फिर एक वक्त वह भी आया जब मोदीजी चुनावी मुद्दे के रूप में विकास को लेकर आए। लेकिन अब इन सब मुद्दों का कोई मतलब नहीं। झालमुड़ी खाओ, मछली खाओ। राज करो! नहीं क्या?

# उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की कोशिश

प्रोफेसर डॉ. भारत

'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' को एक व्यापक और दूरगामी सुधार के रूप में देखा जा सकता है। यह विधेयक मौजूदा नियामक संस्थाओं जैसे यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई को प्रतिस्थापित कर एक एकीकृत, अधिक सक्षम और पारदर्शी ढांचे की स्थापना का विचार रखता है।

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे न केवल अपने पारंपरिक ढांचे की सीमाओं को पार करना है, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्वयं को पुनर्गठित भी करना है। इसी संदर्भ में प्रस्तावित 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' को एक व्यापक और दूरगामी सुधार के रूप में देखा जा सकता है। यह विधेयक मौजूदा नियामक संस्थाओं जैसे यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई को प्रतिस्थापित कर एक एकीकृत, अधिक सक्षम और पारदर्शी ढांचे की स्थापना का विचार रखता है। इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, स्वायत्तता और जवाबदेही को नई दिशा देना भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के पांच वर्ष पूर्ण होने के इस महत्वपूर्ण चरण पर इसका आगमन महज संयोग नहीं है, बल्कि इसे शिक्षा सुधारों की अगली स्वाभाविक और अनिवार्य कड़ी के रूप में भी देखा जा सकता है। तकनीकी शिक्षा, सामान्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए अलग-अलग संस्थाएं होने के कारण नीतिगत समन्वय में कठिनाइयां उत्पन्न होती थीं। कई बार संस्थानों को समान कार्यों के लिए विभिन्न निकायों से अनुमति लेनी पड़ती थी, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि प्रक्रियाएं भी जटिल बन जाती थीं।

इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है तीन स्वतंत्र परिषदों का गठन, जो उच्च शिक्षा के अलग-अलग पहलुओं को संभालेंगी। इसके अंतर्गत पहली परिषद है 'शिक्षा विनियमन परिषद', जो संस्थानों के पंजीकरण, अनुमोदन और नियामक अनुपालन से जुड़ी होगी। दूसरी परिषद है 'शिक्षा गुणवत्ता परिषद', जो संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता का कार्य करेगी। तीसरी परिषद है 'शिक्षा मानक परिषद', जिसका कार्य पाठ्यक्रम, शिक्षण परिणाम और न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना होगा। इसका अर्थ यह है कि 'विनियमन', 'गुणवत्ता' और 'मानक' को अलग-अलग संस्थागत ढांचों में विभाजित करके एक अधिक स्पष्ट और प्रभावी शासन प्रणाली स्थापित करने का प्रयास। विधेयक का दृष्टिकोण केवल संरचनात्मक परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल भावना को भी पुनर्परिभाषित करने का प्रयास कर रहा है। इसका लक्ष्य संस्थानों को अधिक स्वायत्त बनाना, उन्हें नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा को परिणाम-आधारित और छात्र-केंद्रित बनाना है।

इस विधेयक का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है वित्तीय सहायता और नियमन के कार्यों का पृथक्करण। पहले यूजीसी अनुदान देने और नियमन दोनों कार्य करता था। नए ढांचे में इन दोनों कार्यों को अलग करने का प्रयास किया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है।

पहले पहल यह विधेयक प्रशासनिक जटिलताओं को कम करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हो सकता है। दूसरा, स्पष्ट मानकों और सुदृढ़ प्रत्यायन प्रणाली के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है। तीसरा, यह भारतीय विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर सकता है, जिससे विदेशी छात्रों और निवेश को आकर्षित किया जा सके।

लेकिन चिंताएं यह भी हैं कि इसके माध्यम से अत्यधिक केंद्रीकरण का खतरा है। एक ही संस्था में व्यापक शक्तियां केंद्रित होने से संघीय ढांचे और राज्यों की भूमिका प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, वित्तीय प्रावधानों की अस्पष्टता भी एक गंभीर मुद्दा है, जो विशेष रूप से राज्य विश्वविद्यालयों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि नियामक परिषद की शक्तियां अत्यधिक बढ़ जाती हैं, तो संस्थानों की स्वायत्तता सीमित हो सकती है।

विधेयक के संदर्भ में बड़ी चिंता संघीय ढांचे पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर है। यद्यपि भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत संघ-सूची की प्रविष्टि 66 में उच्चतर शिक्षा या अनुसंधान संस्थानों तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में समन्वय एवं मानकों के निर्धारण का प्रावधान है।

नि:संदेह, इतने व्यापक बदलाव को लागू करना अपने आप में एक बड़ी परीक्षा है। संस्थागत संस्कृति, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और मानव संसाधनों में समन्वय स्थापित करना दीर्घकालिक और जटिल प्रक्रिया होगी। यदि इसे सावधानीपूर्वक और चरणबद्ध तरीके से लागू नहीं किया गया, तो यह सुधार अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा। अंतत: विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 एक ऐसा प्रयास है, जो भारत की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

**लेखक पंजाब विवि. में कानून के प्राध्यापक हैं।**

## अंधा प्रेम और आंखों की चालाकियां

सोचिए, सचमुच प्यार अंधा होता तो दुनिया के आधे झगड़े खत्म हो जाते। न कोई किसी की शक्ल देखता और न ही चमड़ी का रंग। न कोई किसी का बैंक बैलेंस देखता और न ही जात-पात। सब बस दिल से दिल जोड़ लेते। तूड़ी से भरी एक ट्राली के पीछे लिखा था मेरे प्यार की हद न पूछो कि उसने दिन को रात कहा और हमने पैग बना लिया। लोग बड़े विश्वास से कहते हैं कि प्यार अंधा होता है। जैसे कि अंधेपन पर ही सारी दुनिया के प्रेम-प्रसंगों का ठीकरा फोड़ देना सबसे आसान हो। सच्चाई यह है कि हमारे यहां प्यार अंधा नहीं बल्कि बहुत तेज़ नज़र वाला है। उसे बस वही दिखाई देता है जो वह देखना चाहता है।

आज का प्रेम बड़ा चयनशील है। उसे मोबाइल का मॉडल दिखता है, गाड़ी की कंपनी दिखती है, टीशर्ट-जूते के ब्रांड व इंस्टाग्राम के फॉलोअर दिखते हैं लेकिन इंसान का चरित्र नहीं दिखता। फिर जब मामला बिगड़ जाता है तो घोषणा होती है कि साहब प्यार में आदमी अंधा हो जाता है। सच तो यह है कि आदमी अंधा नहीं होता। बस उसकी नज़रें छुट्टी पर चली जाती हैं और वासना ड्यूटी पर आ जाती है।

क्योंकि उसने न चेहरा देखा, न मेकअप, न फैशन, न बैंक बैलेंस। उसने तो बस आवाज़ सुनी होगी। व्यवहार महसूस किया होगा और दिल की धड़कन पहचानी होगी। तो असली प्यार तो शायद वही हुआ! लेकिन विडंबना देखिये कि हमने अंधेपन को बदनाम कर रखा है और आंखों की चालाकी को 'रोमांस' का नाम दे दिया है।

आजकल के प्रेम की हालत बड़ी दिलचस्प है। लड़का कहता है—मैं तुम्हारी आंखों में डूब गया। लड़की कहती है—मैं तुम्हारी मुस्कान पर मर गई। और शादी के दो साल बाद दोनों एक-दूसरे को देखकर कहते हैं—यार! उस समय हमारी आंखों को क्या हो गया था?

यह तो मानना पड़ेगा कि प्रेम का गणित है बड़ा अजीब। जब तक रिश्ता नया होता है, आदमी कवि बन जाता है, चांद, सितारे, बारिश, गुलाब, चॉकलेट और सिनेमा की टिकट आदि सब उसकी जेब में घूमते हैं और जैसे ही जिम्मेदारियां आती हैं, वही आदमी कहता है— मुझे तो इसके चाल-चलन पर पहले ही शक था! और तुम्हारे बिना न जी पाने वाला आदमी अचानक तुम्हारे साथ जीना मुश्किल अनुभव करता है।

एक बर की बात है अक नत्थू बोल्या- भाई न्यूं बता अक प्यार अंधा है तो ब्याह के सै? सुरजा बोल्या- भाई! ब्याह आंख का आप्रेशन सै जो सबकी आंख खो दे सै।

# श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

## प्रमुख खबरें

### दुर्ग के संतोष ने मास्टर्स टेबल टेनिस स्पर्धा में जीता स्वर्ण

**भिलाई।** पुणे में हुई 32वीं मास्टर्स नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप में दुर्ग के संतोष अरासविल्ली ने पुरुष युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर नेशनल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। संतोष ने साथी सुजय के साथ सेमीफाइनल में तमिलनाडु के जी. विनोध और सुजीत की जोड़ी को 3–1 से हराया, जबकि फाइनल में गत वर्ष के चैंपियन दिल्ली के समीर सैनी और सुमित नागपाल को पराजित किया।

### भजन जैमिंग ने रचा इतिहास; भक्ति-संगीत का अनूठा संगम

**भिलाई।** कला मंदिर सभागार में भजन जैमिंग: एक भक्तिमय संध्या, का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी, युवा और श्रद्धालु पहुंचे। संध्या में पारंपरिक भजनों को आधुनिक संगीत शैली और लाइव जैमिंग के साथ प्रस्तुत किया गया, जिसने श्रोताओं को देर शाम तक बांधे रखा। ऐसे आयोजनों से संगीत और ईश्वर से जुड़ाव मजबूत होता है। अतिथियों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए भविष्य में भी ऐसी श्रृंखला जारी रखने की बात कही।

### पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

**भिलाई।** भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की जयंती पर शुक्रवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को याद किया। पूर्व राज्यमंत्री बदरुद्दीन कुरैशी ने कहा कि जैल सिंह सेवा, सादगी और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक रहे। जैल सिंह ने भारत के सातवें राष्ट्रपति के रूप में 25 जुलाई 1982 से 25 जुलाई 1987 तक देश की सेवा की।

### डॉ. श्याम सुंदर पाराशर की सरस भागवत कथा 23 से

**भिलाई।** 23 से 29 मई तक अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रवक्ता डॉ. श्याम सुंदर पाराशर महाराज का संगीतमय भागवत कथा का वाचन होने जा रहा है। श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में आयोजित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संस्थान के प्रमुख व शिक्षाविद् आईपी मिश्रा ने पुरुषोत्तम मास में हो रहे इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

### छग सर्व समाज संगठन की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला 10 को

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन की प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला 10 मई को नेहरू नगर स्थित निर्मल ज्ञान मंदिर में आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक चलेगा। कार्यशाला में पदाधिकारियों को कर्तव्य और अधिकारों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

## मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति की बैठक संपन्न

# सेल चेयरमैन के पद पर डॉ अशोक पंडा की नियुक्ति पर लगी सरकार की मुहर

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई/नई दिल्ली।** भारत सरकार ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक (सीएमडी) पद पर डॉ. अशोक कुमार पंडा की नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा 06 मई 2026 को इस नियुक्ति को अनुमोदित किया गया। डॉ. पंडा वर्तमान में सेल में निदेशक (वित्त) के पद पर कार्यरत थे और अब उन्हें कंपनी के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक का दायित्व सौंपा गया है।

डॉ. अशोक कुमार पंडा अनुभवी वित्त विशेषज्ञ हैं, जिन्हें सेल में तकनीकी संचालन, वित्तीय प्रबंधन, रणनीतिक योजना, प्रशासन एवं संगठनात्मक प्रबंधन के क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातक डिग्रीधारी डॉ. पंडा ने व्यवसाय प्रशासन में पीएच.डी. तथा वित्तीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी प्राप्त किया है। उन्होंने 17 अगस्त 1992 को राउरकेला इस्पात संयंत्र में प्रबंध प्रशिक्षु (तकनीकी) के रूप में सेल में अपने करियर की शुरुआत की।

प्रारंभिक वर्षों में उन्होंने राउरकेला इस्पात संयंत्र के सीपीपीङ्क1 विभाग में कनिष्ठ प्रबंधक के रूप में कार्य किया तथा क्रमश: प्रगति करते हुए सेल कॉर्पोरेट कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के पद तक पहुँचे।

जुलाई 2021 में डॉ. पंडा ने भिलाई इस्पात संयंत्र में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (वित्त एवं लेखा) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया, जहाँ उन्होंने वित्तीय प्रणालियों को सुदृढ़ करने एवं विभिन्न परिचालन पहलों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जून 2022 में उन्हें भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) के पद पर पदोन्नत किया गया। मार्च 2025 में वे सेल कॉर्पोरेट कार्यालय में कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) के रूप में पदस्थ हुए तथा 30 अप्रैल 2025 को निदेशक (वित्त), सेल का कार्यभार संभाला।

इसके अतिरिक्त उन्होंने 01 जुलाई 2025 से 18 मार्च 2026 तक निदेशक (वाणिज्यिक) का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला। उन्होंने सेल की विभिन्न संयुक्त उपक्रम एवं सहायक कंपनियों के निदेशक मंडलों में नामित निदेशक के रूप में भी दायित्व निभाया है।

इसके साथ ही वित्तीय लेखांकन, लागत एवं बजट प्रबंधन, वार्षिक व्यवसाय योजना, परियोजना वाणिज्यिक गतिविधियों, कोषागार संचालन, कराधान तथा रणनीतिक प्रबंधन सहित वित्त के विविध क्षेत्रों में डॉ. पंडा को व्यापक विशेषज्ञता प्राप्त है।

अपने करियर में उन्होंने निरंतर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाया है। विद्युत अभियांत्रिकी में स्नातक उपाधि प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने ज़ेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर से वित्त विषय में विशेषज्ञता सहित पूर्णकालिक पीजीडीएम किया तथा बाद में बिजनेस फाइनेंस में पीएच.डी. उपाधि अर्जित की।

अपने दीर्घ एवं विशिष्ट कार्यकाल के दौरान डॉ. पंडा सेल की अनेक महत्वपूर्ण वित्तीय एवं रणनीतिक पहलों से जुड़े रहे। उन्होंने कंपनी के ऋण भार को लगभग 20,000 करोड़ रुपये तक कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही संयंत्र स्तर पर तकनीकी अक्षमताओं की पहचान कर लागत नियंत्रण एवं सुधारात्मक कार्ययोजनाओं के माध्यम से परिचालन दक्षता बढ़ाने में भी उल्लेखनीय योगदान दिया।

डॉ. पंडा को एक प्रेरणादायी, समावेशी एवं टीम–उन्मुख नेतृत्वकर्ता के रूप में व्यापक पहचान प्राप्त है।

# ऑटोमेशन एवं डिजिटलीकरण विभाग ने जीता ईडी वर्क्स डिजिटल चैंपियंस ट्रॉफी

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** सेल–बीएसपी के मानव संसाधन–ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा 07 मई 2026 को आयोजित ईडी (वर्क्स) डिजिटल चैंपियंस ट्रॉफी 2025–26 के पुरस्कार वितरण समारोह में डिजिटल नवाचार एवं एआई आधारित कार्यस्थल समाधान विकसित करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार रहे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधक, निर्णायक मंडल के सदस्य, प्रतिभागी एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतियोगिता में विजेता ऑटोमेशन एवं डिजिटलीकरण विभाग की टीम रही, जिसमें सुश्री अनुराधा ध्रुव, बी वेंकट अप्पाराव एवं तलासमुद्रम राजेश शामिल थे। प्रथम उपविजेता स्थान बीआरएम विभाग की टीम ने प्राप्त किया, जिसमें भिमांशु कच्छप, बेहरा वामसी एवं सैतान सिंह मीणा शामिल रहें। यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) विभाग के प्रसाद गौडू, संज्योति तिर्के एवं सुधीर यादव की टीम तृतीय स्थान पर रही।

समारोह के दौरान विजेता टीम के प्रत्येक सदस्य को 15,000 प्रथम उपविजेता टीम के प्रत्येक सदस्य को 10,000 तथा द्वितीय उपविजेता टीम के प्रत्येक सदस्य को 5,000 की नगद पुरस्कार राशि, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

राकेश कुमार ने कहा कि डिजिटल तकनीकों एवं नवाचार आधारित दृष्टिकोण का उपयोग कार्यस्थल की चुनौतियों के समाधान एवं परिचालन दक्षता में वृद्धि हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रकार की पहलें बीएसपी में डिजिटल रूप से सशक्त एवं नवाचार–उन्मुख कार्यसंस्कृति विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो सेल के इंडस्ट्री 4.0 विजन के अनुरूप है।

प्रतियोगिता में कुल 14 टीमों ने तकनीकी शोध–पत्र प्रस्तुत किए, जिनमें से 13 टीमों ने प्रस्तुतीकरण चरण के लिए क्वालीफाई किया। प्रतिभागियों का मूल्यांकन नवाचार, व्यवहारिक उपयोगिता, क्रियान्वयन क्षमता एवं संगठनात्मक लाभ जैसे मानकों पर किया गया।

# भिलाई निगम मुख्यालय में सुशासन तिहार शिविर आयोजित, नागरिकों ने दिए आवेदन

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय परिसर में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जोन–1 नेहरू नगर अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों के नागरिक शामिल हुए। शिविर में नागरिको द्वारा मांग एवं शिकायत प्राप्त हुआ है, जिसका त्वरित निराकरण किया जायेगा।

सुशासन तिहार शिविर में वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय उपस्थित रहे। जहां शासन की महत्वकांक्षी योजनाओं जैसे–प्रधानमंत्री आवास, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, स्वास्थ्य सेवा, आयुष सेवा, महिला एवं बाल विकास, वन एवं जलवायु, राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन, उज्ज्वला, संपत्तिकर एवं अन्य योजनाओं के काउंटर लगे हुए है। शिविर में नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जमा किए तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु भी आवेदन प्रस्तुत किए।

निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्याओं को सुनते हुए आवेदन प्राप्त किए और निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। शिविर के माध्यम से आम नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागीय सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई। निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया।

### महिला संगठन ने डीपीएस चौक पर राहगीरों को शरबत बांटा

**भिलाई।** भीषण गर्मी के बीच प्रयास एक सामाजिक एवं सांस्कृतिक महिला संगठन ने हनुमान मंदिर के पास डीपीएस चौक पर राहगीरों को शरबत बांटकर राहत पहुंचाई। संगठन ने बताया कि उद्देश्य लोगों को लू और गर्मी के असर से बचाने में मदद करना है। अध्यक्ष चैती पाल के अनुसार गर्मी में पानी और शरबत पिलाना पुण्य का काम है और ऐसे सेवा कार्यों से मिलने वाला आत्मसंतोष बहुत है।

# सार्वजनिक नलों को बंद करने के निर्देश, कनेक्शन में शर्त

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 51 से 60 तक की समस्याओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा हेतु महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने आज शाम डाटा सेंटर में बैठक आयोजित की। बैठक में संबंधित विभागों के एमआईसी सदस्यों, पार्षदों एवं अधिकारियों की मौजूदगी में शहर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक के दौरान महापौर ने वार्ड क्रमांक 51 से 60 तक के पार्षदों से बारी–बारी क्षेत्रीय समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली।

पार्षदों ने अपने–अपने वार्डों में सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, बिजली व्यवस्था, सुलभ शौचालयों की मरम्मत, सड़क एवं नाली निर्माण, पाइपलाइन विस्तार, पाइपलाइन लीकेज, बोर रिपेयरिंग, बोरिंग तथा प्रकाश व्यवस्था से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

महापौर अलका बाघमार ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बिना बिल्डिंग परमिशन एवं बीसीसी के किसी भी नए नल कनेक्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर घरों में निजी नल कनेक्शन होने के बावजूद सार्वजनिक नल चालू हैं, जिससे अनावश्यक रूप से पानी की बर्बादी हो रही है। ऐसे सार्वजनिक नलों को चिन्हित कर बंद करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।महापौर ने कहा कि शहर क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ–साथ मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए।

# खुर्सीपार क्षेत्र के सामुदायिक शौचालयों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** नगर पालिक निगम भिलाई के जोन–4 खुर्सीपार क्षेत्र अंतर्गत आगामी सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए सामुदायिक सुलभ शौचालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शौचालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं साफ–सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे एवं कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा ने शौचालयों में पानी, बिजली एवं नियमित सफाई व्यवस्था की स्थिति का निरीक्षण कर आवश्यक संधारण कार्य तत्काल कराने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। जोन आयुक्त ने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ एवं सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा उन्हें सभी मूलभूत सुविधाओं का बेहतर लाभ मिल सके। इस अवसर पर सहायक अभियंता चंद्रकांत साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

# 15 दिन में निराकृत होंगे पीएम स्वनिधि के लंबित प्रकरण

- निगम आयुक्त ने ली बैंकर्स की बैठक
- बैंक एवं निगम के बीच बेहतर समन्वय के लिए 7 कर्मचारियों की नियुक्ति

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने निगम कार्यालय में शहर के विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधकों एवं संबंधित अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र शासन की महत्वाकांक्षी पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए शीघ्र निराकरण को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।इस अवसर पर बाजार अधिकारी अभ्युदय मिश्रा सहित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहें।

श्री अग्रवाल ने बैंकर्स से कहा कि पीएम स्वनिधि योजना छोटे व्यवसायियों, रेहड़ी–पटरी एवं फुटपाथ व्यवसाय करने वालों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। ऐसे में पात्र हितग्राहियों के आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहने चाहिए तथा सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए।

बैठक में बैंक अधिकारियों द्वारा आश्वस्त किया गया कि लंबित प्रकरणों का निराकरण आगामी 15 दिवस के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। आयुक्त ने सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देशित करते हुए कहा कि हितग्राहियों को बैंक स्तर पर किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो तथा दस्तावेजों की कमी होने पर उन्हें उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाए। बैठक में निगम एवं बैंक के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने हेतु निगम के 7 कर्मचारियों की नियुक्ति किए जाने की जानकारी भी अधिकारियो द्वारा दी गई। ये कर्मचारी बैंक शाखाओं के साथ नियमित संपर्क बनाकर लंबित प्रकरणों की जानकारी संकलित करेंगे तथा हितग्राहियों की समस्याओं के निराकरण में सहयोग प्रदान करेंगे।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से छोटे व्यवसायियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है, इसलिए सभी विभाग एवं बैंक आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर मिल सके।

# लिवर सिरोसिस : खून की उल्टियां करता हुआ पहुंचा मरीज, हाइटेक में हुआ इलाज

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** एक मरीज की खून की उल्टियां करता हुआ हाइटेक सुपर स्पेशालिटी हॉस्पिटल पहुंचा। उसका रक्तचाप तेजी से गिर रहा था। जब उसे अस्पताल लाया गया तब उसका बीपी 70/50 था। रक्त में हीमोग्लोबिन की मात्रा भी 5 तक गिर चुकी थी। मरीज न तो शराब पीता था न ही किसी प्रकार का नशा करता था।

गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉ आशीष देवांगन ने बताया कि मरीज की हालत को देखते हुए उसे तत्काल आईसीयू में शिफ्ट किया गया। उल्टी फेफड़ों में न चली जाए, इसके लिए मरीज को तत्काल वेंटीलेटर पर डाला गया तथा खून चढ़ाना शुरू किया गया। स्थिर होने पर उसकी एंडोस्कोपी की गई।

दरअसल, मरीज काफी समय से

मधुमेह से पीड़ित था। लिवर में वसा इकट्ठा होने के कारए लिवर सिरोसिस हो गया था। आहार नली की नसों में सूजन से खून रिस रहा था। रक्तस्राव बंद करने के लिए तत्काल एंडोस्कोपिक बैंडिंग की गई। 4–5 दिन आईसीयू में रहने के बाद मरीज बाहर आया। दो दिन बाद उसे छुट्टी दे दी गई। डॉ देवांगन ने बताया कि लिवर सिरोसिस या फैटी लिवर जैसी स्थिति के लिए हमेशा शराब ही जिम्मेदार नहीं होता। मधुमेह, फैटी लिवर या मोटापा भी इसका कारण हो सकता है।

## खास-खबर

### मुख्यमंत्री साय से भारतीय रेडक्रास सोसायटी के पदाधिकारियों ने की सौजन्य भेंट

**रायपुर।** विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, छत्तीसगढ़ शाखा के चेयरमेन तोमन साहू चेयरमेन एवं अन्य पदाधिकारियों ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को रेडक्रॉस का बैज पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर विश्व रेडक्रॉस दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मानवता की सेवा के साथ ही आपदा के समय में रेडक्रॉस संस्था की भूमिका सराहनीय है। इस अवसर पर वाइस चेयरमेन रुपेश पाणिग्रही, कोषाध्यक्ष संजय पटेल,राज्य प्रबंध समिति सदस्य प्रदीप साहू, संरक्षक सदस्य दिनेश तापड़िया उपस्थित थे।

### राज्यपाल डेका ने गोद ग्राम सोनपुरी के समग्र विकास के लिए दिए आवश्यक निर्देश

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में उनके गोद ग्राम सोनपुरी, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के प्रभारी बिसेसर दास साहू ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने ग्राम सोनपुरी में संचालित विकास कार्यों एवं अन्य गतिविधियों की विस्तृत जानकारी राज्यपाल को दी। भेंट के दौरान साहू ने ग्राम में रेडक्रॉस सोसाइटी के माध्यम से चलाए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों, स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों तथा ग्रामीणों के हित में किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया। राज्यपाल डेका ने ग्राम के समग्र विकास पर विशेष जोर देते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राज्यपाल ने ग्रामवासियों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु विभिन्न योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर भी बल दिया।

### सुशासन तिहार : जल संरक्षण और ई-केवाईसी पूर्ण करने मंत्री टंकराम वर्मा ने दिए सख्त निर्देश

# अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे सरकारी योजनाओं का लाभ दफ्तरों के चक्कर न काटें ग्रामीण- मंत्री टंकराम वर्मा

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व, राहत एवं आपदा प्रबंधन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप प्रशासन का मुख्य ध्येय हर गरीब के जीवन में खुशहाली लाना है। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि जनता को अपने जायज कार्यों के लिए दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। सुशासन तिहार के अवसर पर मंत्री वर्मा ने सारंगढ़ कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक ली।

मंत्री ने डिजिटल कृषि पारिस्थितिकी तंत्र (एग्रीस्टेक) के तहत किसानों के पंजीयन और महतारी वंदन योजना के ई-केवाईसी कार्य को मिशन मोड में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय-सीमा से पूर्व शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें ताकि हितग्राहियों को लाभ मिलने में कोई तकनीकी बाधा न आए।

गर्मी के मौसम में गिरते भू-जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि जल संरक्षण और व्यापक वृक्षारोपण ही इसका स्थायी समाधान है। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देशित किया कि जिन गांवों में बोर खनन असफल रहे हैं, वहां टैंकरों और वैकल्पिक व्यवस्थाओं के जरिए निरंतर जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए।

बैठक में बताया गया कि जिला खनिज न्यास मद से स्वीकृत 613 परियोजनाओं में से अब तक 203 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। मंत्री ने शेष कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए उन्हें तत्काल गति देने को कहा। बैठक में पीएम आवास, उज्ज्वला गैस योजना, पीएम सूर्य घर, टीबी मुक्त पंचायत अभियान और बच्चों के टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की भी बारीकी से समीक्षा की गई।

मंत्री श्री वर्मा ने पुलिस प्रशासन को अवैध शराब की बिक्री, गांजा, अफीम और नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ श्जीरो टॉलरेंसश् की नीति अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई कर जिले में शांति और सुशासन का वातावरण बनाए रखें। मंत्री ने मैदानी अधिकारियों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि सुशासन का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब अधिकारी मौके पर ही शिकायतों का निराकरण करें।

उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। बैठक में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पाण्डेय सहित जिले के तमाम वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

### समाधान शिविर में विभिन्न समस्याओं का हुआ त्वरित समाधान

**रायपुर।** सुशासन तिहार के अंतर्गत महासमुंद जिले के ग्राम लोहारडीह में आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। इसी क्रम में ग्राम बिरकोनी के 24 वर्षीय कोमल साहू को शिविर में आवेदन करने के महज एक घंटे के भीतर लर्निंग लाइसेंस प्रदान किया गया। कोमल साहू ने बताया कि उन्होंने हाल ही में नई गाड़ी खरीदी है, जिसके लिए उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता थी। समाधान शिविर में पहुंचकर उन्होंने आवेदन किया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें शीघ्र ही लर्निंग लाइसेंस मिल गया। उन्होंने कहा कि शिविर में बिना किसी परेशानी के त्वरित सेवा मिलने से उन्हें काफी सुविधा हुई। कोमल साहू ने शासन-प्रशासन द्वारा लगाए गए समाधान शिविर की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। ३इसी तरह ग्राम सोरिद के चार भाइयों विनोद चंद्राकर, राजेंद्र चंद्राकर, ललित चंद्राकर और डोमेंद्र चंद्राकर को समाधान शिविर में अलग-अलग किसान पुस्तिका प्रदान की गई। विनोद चंद्राकर ने बताया कि चारों भाइयों के बीच हाल ही में भूमि का बंटवारा हुआ है।

## बस्तर का वेस्ट-अब बनेगा बेस्टः छिंद के बीजों से तैयार होगी कैफीन मुक्त हर्बल कॉफी

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** बस्तर के नैसर्गिक सौंदर्य और समृद्ध संसाधनों के बीच अब एक नई और सुगंधित क्रांति आकार ले रही है, जिसका श्रेय दंतेवाड़ा जिले के बचेली निवासी युवा उद्यमी विशाल हालदार को जाता है। बीकॉम और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की शिक्षा प्राप्त करने वाले विशाल ने अपनी जड़ों से जुड़े रहने और कुछ नया करने की चाह में छिंद (खजूर की एक स्थानीय प्रजाति) के उन बीजों से हर्बल कॉफी तैयार की है, जिन्हें अब तक बस्तर में पूरी तरह व्यर्थ समझा जाता था।

इस अभिनव प्रयोग के पीछे विशाल का उद्देश्य न केवल बेकार पड़े प्राकृतिक संसाधनों का सदुपयोग करना है, बल्कि कॉफी के उन शौकीनों को एक स्वस्थ विकल्प प्रदान करना है जो स्वाद तो चाहते हैं लेकिन कैफीन के दुष्प्रभावों से बचना चाहते हैं। विशाल का यह सफर करीब दो वर्षों के गहन शोध और प्रयोगों का परिणाम है, जिसमें उन्होंने इंटरनेट की मदद और स्थानीय समझ का बखूबी तालमेल बिठाया है। विशाल की इस नवाचार को इनोवेशन महाकुंभ में प्रथम स्थान मिला, जिसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा सम्मानित किया गया।

इस हर्बल कॉफी की सबसे प्रभावशाली विशेषता इसका पूरी तरह से कैफीन मुक्त होना है, जबकि इसमें छिंद के प्राकृतिक गुणों के कारण प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। विशाल का मानना है कि अधिकांश लोग केवल मानसिक सक्रियता के लिए ही नहीं, बल्कि कॉफी के अनूठे स्वाद और उसकी आदत के कारण इसका सेवन करते हैं, और उनकी यह खोज इसी वर्ग को ध्यान में रखकर की गई है। इस नवाचार को तब बड़ी पहचान मिली जब विशाल ने शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय जगदलपुर में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ में अपना स्टॉल लगाया। वहाँ प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी सहित विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और आम जनता ने इस कॉफी का स्वाद चखा और इसकी खूब सराहना की। विशाल केवल एक उत्पाद बनाने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे दंतेवाड़ा जिला प्रशासन के यूथ अप फाउंडेशन के माध्यम से स्थानीय युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि उनके इस आइडिया से बस्तर के ग्रामीणों को रोजगार मिले और गांवों और जंगल से मिलने वाले छिंद के बीजों से उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके।

हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी भी टेस्टिंग और विकास के दौर में है और इसका आधिकारिक लॉन्च होना बाकी है, लेकिन विशाल के इस अटूट प्रयास ने यह साबित कर दिया है कि यदि दृष्टि स्पष्ट हो तो स्थानीय वेस्ट को भी वैश्विक स्तर के बेस्ट उत्पाद में बदला जा सकता है। आने वाले समय में यह हर्बल कॉफी न केवल बस्तर की पहचान बन सकती है, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक दुनिया के लिए एक अनूठा उपहार भी साबित हो सकती है।

## मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में सड़क अधोसंरचना को मजबूती

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले में सड़क अधोसंरचना को मजबूत बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कांसाबेल से बगीचा मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल-पुलिया निर्माण कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, जिससे जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

लगभग 29 करोड़ 08 लाख 06 हजार रुपए की लागत से 39 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मार्ग का उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इसके अंतर्गत सड़क मजबूतीकरण के साथ आवश्यक पुल-पुलियों का निर्माण भी किया जाएगा, जिससे आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगा। कांसाबेल-बगीचा मार्ग क्षेत्र का अत्यंत व्यस्त संपर्क मार्ग है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, विद्यार्थी और व्यापारी आवागमन करते हैं। समय के साथ सड़क की स्थिति प्रभावित होने से लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। अब निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होगी और परिवहन व्यवस्था अधिक सुदृढ़ बनेगी। इस परियोजना से ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, यात्रा समय में कमी आएगी तथा व्यापारिक और सामाजिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार लगातार दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अधोसंरचनात्मक सुविधाओं का विस्तार कर रही है।

# मानव सेवा ही रेडक्रॉस की असली पहचान- मंत्री गजेंद्र यादव

### विश्व रेडक्रॉस दिवस पर उत्कृष्ट समाजसेवियों, कलेक्टरों और स्वयंसेवकों का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर रायपुर के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने सेवा और मानवता के क्षेत्र में सक्रिय रेडक्रॉस काउंसलरों और स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

विश्व रेडक्रॉस दिवस के उपलक्ष्य में जूनियर एवं यूथ रेडक्रॉस सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित लोक नृत्य, चित्रकला और नाट्य प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को मंत्री महोदय ने पुरस्कृत किया। प्रदेश के कुल 64 रेडक्रॉस वॉलिंटियर्स को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

समारोह में स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने समाजसेवियों और अधिकारियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अंगदान, रक्तदान, नेत्रदान और देहदान जैसे पुनीत कार्यों के जरिए समाज में नई चेतना जागृत की है। मंत्री श्री यादव ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों की त्वरित सहायता करना और जरूरतमंदों तक सेवा पहुँचाना रेडक्रॉस परिवार की अद्भुत कार्यसंस्कृति को दर्शाता है। श्री रामसिंह अग्रवाल सदस्यता एवं समाज सेवा के लिए, श्री सूरज साहू रक्तदान के लिए, कमलेश निषाद सड़क दुर्घटना पीड़ितों की सहायता के लिए, पवन गांधी और आकांक्षा श्रीवास्तव नेत्रदान, नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान के लिए सम्मानित किया गया। मंत्री श्री यादव ने सभी से करुणा और सहयोग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस के स्टेट चेयरमैन तोमन साहू, वाइस चेयरमैन रूपेश पाणिग्रही, कोषाध्यक्ष संजय पटेल सहित सर्वश्री बाबूलाल अग्रवाल, संदीप दीवान, युवराज देशमुख और बड़ी संख्या में रेडक्रॉस काउंसलर एवं स्वयंसेवक उपस्थित थे।

### कलेक्टरों और स्वयंसेवकों की सराहना

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभिन्न जिलों के कलेक्टरों को सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. गौरव कुमार सिंह, अभिजीत सिंह, एस. जयवर्धन, डॉ. संजय कन्नौजे, रोहित व्यास, दिव्या उमेश मिश्रा, अविनाश मिश्रा एवं कुणाल दुदावत के प्रतिनिधि शामिल रहे। इसके अतिरिक्त, मानवता की विशिष्ट सेवा हेतु व्यक्तिगत रूप से भी कई स्वयंसेवकों को पुरस्कृत किया गया।

## आरंग समाधान शिविर में 70 मामलों का मौके पर निराकरण, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने सुनीं समस्याएं

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार 2026 के तहत आरंग विकासखंड में जिला स्तरीय समाधान शिविर का भव्य आयोजन किया गया। स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रांगण में आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने शुभारंभ किया और आमजनों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। शिविर में कुल 593 आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से 70 मामलों का तत्काल निराकरण कर हितग्राहियों को राहत प्रदान की गई।

शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत वंदन कार्ड (02), आयुष्मान कार्ड (11), राशन कार्ड (05), और उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर (04) वितरित किए गए। साथ ही आय, जाति, निवास और जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि सरकार का मूल मंत्र अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा सुशासन तिहार के जरिए हम जनता के द्वार तक पहुंच रहे हैं।

इससे ग्रामीणों को दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते, जिससे उनके समय और धन दोनों की बचत हो रही है। मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शेष आवेदनों का निराकरण एक सप्ताह के भीतर संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कहा कि यदि कोई आवेदक किसी योजना हेतु पात्र नहीं पाया जाता, तो उसे कारण सहित स्पष्ट जानकारी दी जाए ताकि कोई भ्रम न रहे। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा श्अन्नप्राशनश् संस्कार का आयोजन भी किया गया।

# अब एक फोन कॉल पर मिलेगी बाजार और योजनाओं की जानकारी- मंत्री केदार कश्यप

### 13 लाख संग्राहक परिवारों को स्थानीय भाषाओं में मिलेगा आजीविका और बाजार भाव का अपडेट

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ सरकार ने वनांचल में रहने वाले वनोपज संग्राहकों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नया रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से छत्तीसगढ़ वनोपज संरक्षण वाणी और आईवीआरएस आधारित सूचना एवं संवाद तंत्र का शुभारंभ किया। यह नवाचार राज्य के 13 लाख से अधिक वनोपज संग्राहक परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाएगा। यह डिजिटल कदम छत्तीसगढ़ के वनांचल में आर्थिक क्रांति और जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखेगा।

संग्राहकों को जानकारी प्राप्त करने के लिए किसी जटिल प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी। संग्राहकों को टोल फ्री नंबर +91-9811125813 पर एक मिस्ड कॉल करना होगा। मिस्ड कॉल के बाद 911 से शुरू होने वाले नंबर से उपयोगकर्ता को कॉल बैक आएगा। कॉल रिसीव करते ही संग्राहक अपनी स्थानीय बोलियों जैसे हल्बी, गोंडी आदि में महत्वपूर्ण जानकारियां सुन सकेंगे। जानकारी सुनने के साथ ही उपयोगकर्ता अपनी राय, अनुभव और सुझाव भी रिकॉर्ड कर सकेंगे।

### 'प्रमुख लाभ और उद्देश्य'

स्थानीय बोलियों को प्राथमिकता के कारण वनांचल की क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी मिलने से सूचनाओं का प्रसार अधिक प्रभावी होगा। जंगल, वनोपज संरक्षण, सतत संग्रहण, बाजार भाव और सरकारी योजनाओं की सटीक जानकारी सीधे संग्राहकों तक पहुंचेगी।

बाजार भाव और मूल्य संवर्धन की सही जानकारी मिलने से बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी और संग्राहकों की आय बढ़ेगी। यह केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि संग्राहकों और शासन के बीच संवाद का एक मजबूत मंच बनेगा।

### मंत्री केदार कश्यप का संदेश

वनोपज संग्राहकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक जानकारी पहुँचाने का यह प्रयास राज्य के लाखों परिवारों के लिए आजीविका का संबल बनेगा। वनोपज संरक्षण वाणी तकनीक और जनसहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

### संचालन और महत्व

यह पहल छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर द्वारा संचालित की जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आईवीआरएस आधारित यह संवाद तंत्र राज्य में वनाधारित आजीविका को संगठित और मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित की ईडी- श्रीमती संजीता गुप्ता, डीजीएम जाधव सागर रामचंद्र, महाप्रबंधक सुबीर कुमार दत्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## उर्वशी रौतेला की वापसी से और दमदार होगा इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2

# बोलीं- इस किरदार ने मुझे भीतर तक बदल दियां

**क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही है। मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है और इस बार कहानी पहले से ज्यादा रोमांच से भरी होगी। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वह इस रोल को अपने करियर के सबसे खास किरदारों में से एक मानती हैं।**

उर्वशी रौतेला ने कहा, मेरे लिए इंस्पेक्टर अविनाश सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा।

सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है। अपने किरदार को असली बनाने के लिए उर्वशी ने काफी मेहनत की। उन्होंने बताया, तैयारी के दौरान मैं असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की पत्नी से मिलीं।

मुझे उनकी सादगी, धैर्य और मानसिक मजबूती ने काफी प्रभावित किया। उनके साथ समय बिताने के बाद मुझे समझ आया कि पुलिस अधिकारी की पत्नी होना कितना मुश्किल होता है। बाहर से यह जिंदगी सामान्य दिख सकती है, लेकिन अंदर ही अंदर बहुत संघर्ष और चिंता छिपी होती है। इसी अनुभव ने मुझे अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझने में मदद की।

उर्वशी ने कहा, मैंने इस किरदार के लिए करीब दो साल तक तैयारी की। छोटी-छोटी आदतों और व्यवहार को समझने की कोशिश की। बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज, चलने का अंदाज और यहां तक कि साड़ी पहनने के तरीके तक पर भी ध्यान दिया। मैं चाहती हूं कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे। उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे पिछले सभी किरदारों से काफी अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मैं हमेशा से ऐसे किरदार निभाना चाहती थीं जिनमें भावनात्मक गहराई हो।

# पिंक अनारकली सूट और बालों में गजरा, अनन्या पांडे ने दिखाई दिलकश अदाएं, नजरें हटाना मुश्किल

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के हीरो लक्ष्य हैं। ये रोमांटिक ड्रामा फिल्म 22 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अनन्या आजकल फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं। अब इस बीच अनन्या पांडे ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो पिंक कलर का अनारकली सूट पहने नजर आ रही हैं। उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती है। उन्होंने हाल ही में फैंस के बीच अपना ट्रेडिशनल लुक शेयर किया, जिसमें वो पेस्टल पिंक कलर का सूट पहने नजर आ रही हैं। इस सूट पर गोल्डन बॉर्डर का बारीक काम उनके लुक को रिच और एलीगेंट टच दे रहा है। सॉफ्ट, एलीगेंट और ट्रेडिशनल वाइब से भरपूर अनन्या पांडे का यह लुक बेहद ग्रेसफुल लग रहा है। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। अनन्या पांडे ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का और नेचुरल मेकअप किया है। उन्होंने अपने बालों को स्लीक बन में बांधा है, जिसे पिंक फूलों से सजाया गया है, जो उनके पूरे लुक को और भी एलीगेंट बना रहा है।

अनन्या पांडे ने इस लुक के साथ स्टेटमेंट ईयररिंग्स कैरी किए, जो आकर्षक होने के बावजूद ओवरडोन नहीं लगे और पूरे लुक को खूबसूरती से बैलेंस किया। कुल मिलाकर, अनन्या का ये अंदाज मिनिमल एलिगेंस और ट्रेडिशनल चार्म का परफेक्ट कॉम्बिनेशन नजर आया। अनन्या इस ट्रेडिशनल लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। एक्ट्रेस का ये लुक उनके फैंस को भी काफी पसंद आ रहा है। उनके इस पोस्ट पर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं। अनन्या पांडे ने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, कितने चांद, स्पॉट किए आपने? बता दें कि अनन्या पांडे की फिल्म चांद मेरा दिल के प्रोड्यूसर करण जौहर हैं। वहीं, विवेक सोनी इस फिल्म को डायरेक्ट किया है।

# फिर 'मटका किंग' बनेंगे विजय वर्मा

**मेकर्स ने साझा की दूसरे सीजन की जानकारी; इस दिन होगी रिलीज....**

वेब सीरीज 'मटका किंग' के मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन की घोषणा कर दी है। सोशल मीडिया पर सीरीज का पोस्टर रिलीज कर विजय के फैंस से यह खुशखबरी शेयर की गई है। हाल ही में रिलीज हुई विजय वर्मा की सीरीज 'मटका किंग' को दर्शकों ने काफी प्यार दिया था। अब जल्द ही मेकर्स इसका दूसरा सीजन भी रिलीज करने वाले हैं। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की।

### बनी सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज

'मटका किंग' पिछले दो साल में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली स्क्रिप्टेड सीरीज है। इसका नाम 37 देशों में टॉप 10 ट्रेंड में रहा। इतना ही नहीं, लगभग 17 देशों में यह पहले नंबर पर रही। इसी सफलता को देखते हुए मेकर्स अब इसका दूसरा सीजन जल्द रिलीज करने जा रहे हैं। इसकी अधिकारिक घोषणा उन्होंने सोशल मीडिया पर की।

### क्या थी पहले सीजन में कहानी?

'मटका किंग' की कहानी बृज भट्ट की है। इस किरदार को विजय वर्मा ने निभाया है। वहीं गुलशन ग्रोवर की किरदार लालजीभाई एक साधारण कर्मचारी है। जो बृज का साथ देता है। सीरीज में पत्तों का खेल दिखाया गया है। जहां नंबर, दांव और किस्मत का पूरा खेल चलता है। बृज धीरे-धीरे खेल को समझता है और इस खेल का बादशाह बन जाता है।

अब सीजन 2 के नए पोस्टर पर भी विजय वर्मा नजर आ रहे हैं। हालांकि, अभी यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि इसमें उनका रोल क्या होगा ?

### 'मटका किंग' की स्टारकास्ट

सीरीज 'मटका किंग' को नागराज मंजुले ने निर्देशित किया। इसमें विजय के अलावा कृतिका कामरा, साई तम्हांकर, गुलशन ग्रोवर, सिद्धार्थ जाधव और भूपेंद्र जादवत समेत कई जाने-माने कलाकार नजर आए।

## संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल को मिली नई रिलीज तारीख

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल लंबे समय से चर्चा में है। पिछले महीने निर्देशक अभिजीत मोहन वारंग ने फिल्म की रिलीज तारीख बताई थी, जो 8 मई थी। हालांकि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से मंजूरी न मिलने के कारण न तो फिल्म तय समय पर रिलीज होने के लिए तैयार थी और न इसका ट्रेलर आ सका। हालांकि अब रिलीज का रास्ता साफ हो गया है। निर्माताओं ने नई तारीख के साथ ट्रेलर पर भी अपडेट दिया है।

आखिरी सवाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 साल के सफर और इतिहास पर आधारित है। यह महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे बैन और बाबरी मस्जिद विध्वंस जैसी घटनाओं पर सवाल उठाती है। संजय इसमें प्रोफेसर गोपाल नाडकर्णी की भूमिका में हैं। उनके साथ अमित साध, समीरा रेड्डी और नीतू चंद्रा जैसे कलाकार भी शामिल हैं। फिल्म अब 15 मई को हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज होगी, जबकि ट्रेलर 8 मई को आएगा। मेकर्स ने फिल्म की पूरी स्टार कास्ट को दिखाते हुए एक शानदार नया पोस्टर जारी किया है और आधिकारिक तौर पर फिल्म की भव्य सिनेमाई रिलीज की तारीख 15 मई 2026 घोषित कर दी है। एक्साइटमेंट को और बढ़ाते हुए, फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 8 मई को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिससे दर्शकों को आखिरकार फिल्म की विस्तृत झलक देखने को मिलेगी।

# फिटनेस के सफर में निरंतर बने रहने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

फिटनेस का सफर एक ऐसा रास्ता है, जिस पर निरंतरता बहुत जरूरी होती है। चाहे आप जिम जाएं या घर पर व्यायाम करें, नियमितता से ही आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने फिटनेस रूटीन को निरंतर बनाए रख सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। इन तरीकों से आपका फिटनेस सफर आसान और सुखद हो जाएगा।

### रोजाना एक ही समय पर व्यायाम करें

रोजाना एक समय पर व्यायाम करने से आपके शरीर को एक नियमित समय का अंदाजा हो जाता है, जिससे वह उसे अपना लेता है और आपको व्यायाम की आदत पड़ जाती है। इससे आपका मन भी तैयार रहता है और आप नियमित रूप से अपनी फिटनेस गतिविधियों को जारी रख सकते हैं। चाहे सुबह हो या शाम, किसी भी समय चुनें और उसे दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ताकि आप निरंतर बने रहें और अपने फिटनेस लक्ष्यों को हासिल कर सकें।

### छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं

बड़े लक्ष्यों को पाने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाना बहुत जरूरी होता है। इससे आपको अपनी प्रगति का पता चलता रहता है और आप प्रेरित रहते हैं। उदाहरण के लिए अगर आपका लक्ष्य वजन कम करना है, तो पहले हफ्ते में 500 ग्राम कम करने का लक्ष्य रखें, फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाएं। इस तरह आप अपने फिटनेस सफर में निरंतर बने रहेंगे और अपने बड़े लक्ष्य को आसानी से हासिल कर सकेंगे।

### व्यायाम का आनंद लें

अगर आप अपने व्यायाम को मजेदार बनाएंगे, तो आप इसे लंबे समय तक जारी रख पाएंगे। इसके लिए आप अपनी पसंदीदा गतिविधियों जैसे नाच, साइकिल चलाना या तैरना आदि को अपनी फिटनेस रूटीन में शामिल कर सकते हैं। इससे न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहेगा बल्कि आपका मन भी खुश रहेगा और आप निरंतर बने रहेंगे। इसके अलावा आप नए-नए तरीके आजमा सकते हैं, ताकि आपकी व्यायाम कभी उबाऊ न लगे और आप हमेशा प्रेरित रहें।

### दूसरे लोगों के साथ व्यायाम करें

दूसरों के साथ व्यायाम करने से आपको प्रेरणा मिलती है और आप अकेलापन महसूस नहीं करते। समूह कक्षाएं, दोस्तों या परिवार वालों के साथ व्यायाम करने से व्यायाम रुचिकर बनती है आप इसे नियमित रूप से जारी रख पाते हैं। इससे न केवल आपका शरीर फिट रहता बल्कि आपका मनोबल भी ऊंचा रहता है। समूह व्यायाम से आप नई तकनीकें सीख सकते हैं और एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं, जिससे फिटनेस सफर और भी सफल हो सकता है।

### आराम करना भी है जरूरी

निरंतरता बनाए रखने का मतलब यह नहीं कि आप बिना रुके काम करते रहें। शरीर को आराम देना उतना ही जरूरी है, जितना कि व्यायाम करना। पर्याप्त नींद लें, हफ्ते में एक-दो दिन आराम करें ताकि आपका शरीर ठीक हो सके और अगली बार जब आप व्यायाम करें तो पूरी ऊर्जा के साथ कर सकें। इससे न केवल आपकी फिटनेस बेहतर होगा बल्कि आप मानसिक रूप से भी तरोताजा महसूस करेंगे।

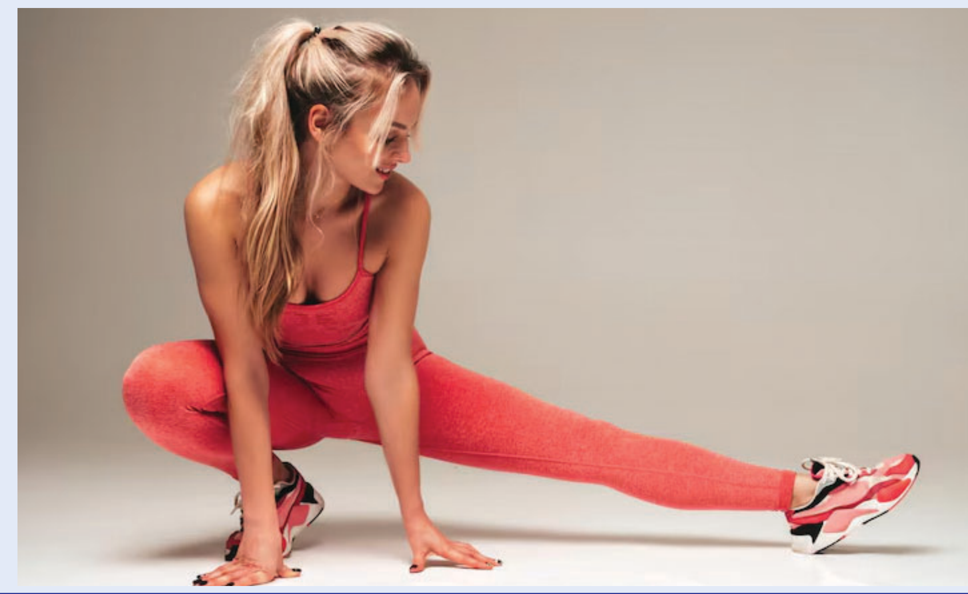

## खास खबर

### नवा तरिया से सशक्त होगा गांव, जल संरक्षण के साथ ग्रामीणों को मिल रहा रोजगार

**रायपुर।** जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भंवतरा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत नवा तरिया यानी नए तालाब का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य में बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रमिक प्रतिदिन कार्य कर रहे हैं, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। जिला प्रशासन के निर्देश पर जिले में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नए तालाबों के निर्माण और पुराने जल स्त्रोतों के पुनरुद्धार का कार्य लगातार किया जा रहा है। यह पहल ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। भंवतरा में बन रहा यह नवा तरिया आने वाले बारिश के मौसम में जल संचय का प्रभावी माध्यम बनेगा। इससे भू-जल स्तर में सुधार होगा और किसानों को सिंचाई के लिए अतिरिक्त जल उपलब्ध हो सकेगा। ग्रामीणों को उम्मीद है कि इससे खेती-किसानी को मजबूती मिलेगी और गांव की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। मनरेगा के तहत संचालित इस कार्य से ग्रामीण श्रमिकों के लिए मानव दिवस का सृजन हो रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लगातार विकास कार्य होने से रोजगार के अवसर बढ़े हैं और लोगों का पलायन भी कम हुआ है।

### धमतरी में रेशम की चमकः 'सिल्क समग्र-2' से संवर रही ग्रामीणों की तकदीर

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के किसान शहतूत की पत्तियों का उपयोग रेशम के कीड़ों के पालन के लिए करते हैं, जिससे वे कोकून बेचकर अच्छी कमाई करते हैं, वहीं इसके फलों को बाजार में बेचकर भी मुनाफा कमाते हैं। किसानों के लिए आमदनी का एक बेहतरीन और आधुनिक विकल्प बनकर उभरी है, जिससे वे न केवल आत्मनिर्भर बन रहे हैं, बल्कि अपनी आय भी दोगुनी कर रहे हैं। धमतरी जिले में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार की 'सिल्क समग्र-2' योजना एक गेम-चेंजर साबित हो रही है। परंपरागत खेती पर निर्भर रहने वाले किसान अब रेशम उत्पादन के जरिए अपनी आय को दोगुना कर रहे हैं। जिले में 37 किसानों ने सफलतापूर्वक शहतूत पौधरोपण कर रेशम पालन की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, जो न केवल जिले बल्कि पूरे राज्य के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। यह योजना विशेष रूप से लघु एवं सीमांत किसानों के लिए वरदान है। जिन किसानों के पास 5 एकड़ से कम भूमि है, वे मात्र 1 एकड़ में शहतूत की खेती कर साल भर में 5 से 6 बार कृमिपालन कर सकते हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, खर्च काटकर किसान सालाना 1 लाख से 1.5 लाख रुपये तक की शुद्ध आय प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना के तहत हितग्राहियों को 5 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। किसानों को वैज्ञानिक तरीके से रेशम उत्पादन के लिए शासन द्वारा अनुदान दिया जा रहा है। पौधरोपण व सिंचाई के लिए 60-60 हजार के दो चरण में 1.20 लाख रुपए, कृमिपालन गृह निर्माण के लिए 3.25 लाख रुपए उपकरण एवं सामग्री के लिए 55 हजार रुपए दिया जाता है।

# सुशासन तिहार अंतर्गत गांव-गांव पहुंच रही सरकार

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले अंतर्गत विकासखंड मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत बिरौरीडांड में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीणों के लिए राहत और भरोसे का केंद्र बन गया। संवाद से संपूर्ण समाधान थीम पर आयोजित इस शिविर में 12 ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की योजनाओं और सेवाओं का सीधा लाभ प्राप्त किया।**

## बिरौरीडांड में जन समस्या निवारण शिविर सम्पन्न, ग्रामीणों को मिला योजनाओं का सीधा लाभ

इस जन समस्या निवारण शिविर में ग्राम पंचायत केवटी, रोझी, डिहुली, पहाड़हंसवाही, बिरौरीडांड, बड़काबहरा, केराबहरा, रोकड़ा, कछौड़, ताराबहरा, शिवगढ़ और डुगला को शामिल करते हुए आयोजित किया गया था। इस विशाल शिविर में ग्रामीण सुबह से ही आवेदन और समस्याएं लेकर पहुंचे।

शिविर में कई मामलों का मौके पर निराकरण कर लोगों को तत्काल राहत दी गई, जबकि अन्य आवेदनों को निर्धारित समय-सीमा में निराकरण के लिए संबंधित विभागों को सौंपा गया।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह, जनपद अध्यक्ष जानकी बाई खुसरो, उपाध्यक्ष ज्योति गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य अनीता सिंह तथा अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। पूरे आयोजन में उत्साह, जनभागीदारी और प्रशासन के प्रति विश्वास का माहौल देखने को मिला।

शिविर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बिहान योजना, मनरेगा, समाज कल्याण, कृषि, उद्यानिकी, वन, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, खाद्य, पुलिस, पशु चिकित्सा, आयुष, जल संसाधन, पीएमजीएसवाई, क्रेडा तथा आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जहां ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। जनप्रतिनिधियों ने सभी विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

इस दौरान गोद भराई तथा वहीं बिरौरीडांड आंगनबाड़ी केंद्र में नन्हे बच्चों को न्योता भोज भी कराया गया। इस जन समस्या निवारण शिविर में 207 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। जनप्रतिनिधियों द्वारा हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड, राशन कार्ड और आधार कार्ड वितरित किए गए।

वहीं जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अब शासन केवल कार्यालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार 2026 जनहित, संवेदनशीलता और जवाबदेही का सशक्त उदाहरण बन चुका है। वहीं जनपद सीईओ सुश्री वैशाली सिंह ने बताया कि शिविर में 207 आवेदन प्राप्त हुए है जिसमें से कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर हितग्राहियों को राहत दी गई है, जबकि शेष लंबित आवेदनों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है।

इस कार्यक्रम में जनपद सदस्य सुश्री सुरतिया, अशोतिया बाई, शांति सहित स्थानीय पार्षदगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# समस्याओं के त्वरित निराकरण से बढ़ता है लोगों का विश्वास

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप कोरबा जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत निरंतर जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को पाली ब्लॉक के ग्राम पंचायत बसीबार में जनसमस्या निवारण शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में कटघोरा विधानसभा के विधायक प्रेमचंद्र पटेल उपस्थित थे। जनपद पंचायत पाली की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा शोभा सिंह जगत, जिला पंचायत सदस्यगण और जनपद पंचायत सदस्य-श्रीमती माया रूपेश कंवर, मनोज कुमार, विजय प्रभात और श्रीमती मनीषा कंवर बसीबार की सरपंच श्रीमती कंचन बाई कंवर एवं तिवरता, सिरकीखुर्द, लिटियाखार, केराकछार, रतिजा, चौनपुर, उडता, पुटा, रैनपुरखुर्द और नोनबिर्रा ग्रामों के सरपंच भी उपस्थित रहे। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को सामग्री वितरण किया गया। कृषि विभाग की शाकंभरी योजना के अंतर्गत ईश्वरी बाई, विनोद कुमार को सिंचाई पंप प्रदान किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पाँच हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरित किए गए। समाज कल्याण विभाग ने एक हितग्राही नूतन कुमार को व्हीलचेयर, तीन हितग्राहियों को श्रवण यंत्र तथा पाँच हितग्राहियों को छड़ी प्रदान की।

शिविर में कुल 526 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 142 आवेदनों का निराकरण स्थल पर ही किया गया। बसीबार क्लस्टर के अंतर्गत आने वाले सभी 11 ग्राम पंचायतोंकृबसीबार, तिवरता, सिरकीखुर्द, लिटियाखार, केराकछार, रतिजा, चौनपुर, उडता, पुटा, रैनपुरखुर्द और नोनबिर्राकृके ग्रामीणों ने सक्रिय रूप से शिविर में भाग लिया।

अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से शासन की योजनाओं की जानकारी सीधे आमजनों तक पहुँचती है, जिससे लाभार्थियों को योजनाओं का प्रत्यक्ष और सरल लाभ मिलता है।

साथ ही समस्याओं के त्वरित निराकरण से लोगों का विश्वास बढ़ता है और शासन-प्रशासन की पहुँच आमजन तक मजबूत होती है। शिविर के आयोजन में एसडीएम पाली रोहित सिंह, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोहनीष देवांगन तथा तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# सड़क दुर्घटना के घायलों के लिए वरदान बनी पीएम-राहत योजना

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए भारत सरकार की पीएम-राहत (प्रधानमंत्री रोड एक्सीडेंट विक्टिम हॉस्पिटलाइजेशन एण्ड एस्योर्ड ट्रीटमेंट) योजना एक बड़ा सहारा बनकर उभरी है। रायगढ़ जिले में कलेक्टर के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को वित्तीय और चिकित्सा संबंधी चिंता से मुक्त करने के लिए योजना में घायल व्यक्ति को अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। दुर्घटना के बाद अस्पताल में भर्ती होने पर अधिकतम 7 दिनों तक कैशलेस उपचार की पात्रता होगी। दुर्घटना के तुरंत बाद का शुरुआती समय (गोल्डन ऑवर) जान बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है, इसलिए बिना किसी देरी के त्वरित उपचार पर जोर दिया जा रहा है।

योजना को धरातल पर उतारने के लिए जिले के सरकारी और निजी चिकित्सालयों को इस नेटवर्क से जोड़ा गया है। जिले के 57 शासकीय और 20 निजी अस्पतालों (कुल 77) को इस योजना के लिए पंजीकृत किया गया है।

जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों को योजना के संचालन और उपचार संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

# कबाड़ से कला तकः जशपुर का वेस्ट टू बेस्ट इको पार्क बना छत्तीसगढ़ के लिए आकर्षण का केंद्र

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले ने स्वच्छता और सृजनात्मकता की एक नई इबारत लिखी है। दुलदुला जनपद पंचायत के पास विकसित किया गया इको पार्क आज न केवल आकर्षण का केंद्र है, बल्कि वेस्ट टू बेस्ट (कबाड़ से जुगाड़) की अवधारणा को सार्थक करने वाला एक सफल मॉडल बनकर उभरा है। अनुपयोगी कचरे को सौंदर्य में बदलकर इस पार्क ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज की सोच को नई दिशा दी है।

इस पार्क की सबसे बड़ी शक्ति इसकी निर्माण शैली है। यहाँ उन वस्तुओं को जीवन दिया गया है जिन्हें लोग अक्सर बेकार समझकर फेंक देते हैं। लोहे का कमाल पुराने लोहे के

कबाड़ और मशीनरी पार्ट्स का उपयोग कर घोड़ा, मयूर और तितली जैसी सजीव व आकर्षक कलाकृतियाँ गढ़ी गई हैं। पुराने और घिसे हुए टायरों को चटकीले रंगों से सजाकर झूलों में तब्दील किया गया है, जो बच्चों के लिए खुशी का ठिकाना बन गए हैं। इको पार्क को एक बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्र के रूप में ढाला गया है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक युवाओं और बुजुर्गों के लिए आधुनिक ओपन जिम की स्थापना की गई है।

# वर्षा जल सहेजकर भू -जल स्तर बढ़ाने प्रशासन की अभिनव पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित करने और गिरते भू-जल स्तर को बचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई मुहिम अब धरातल पर बड़े सकारात्मक परिणाम दिखा रही है। बलौदाबाजार प्रशासन की दूरदर्शी सोच और जन-भागीदारी के समन्वय से जिले ने जल संचयन एवं संवर्धन के क्षेत्र में देश भर में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

बलौदाबाजार जिले में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए संचालित मोर गांव, मोर पानी अभियान 2.0 एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। इस महत्वाकांक्षी अभियान के अंतर्गत अब तक जिले के 722 गांव,517 ग्राम पंचायत, 9 नगरीय क्षेत्र में 87137 जल संचयन

संरचनाओं का निर्माण किया गया है। इनमें सोख्ता गड्ढे, चेक डैम, तालाबों का गहरीकरण और रूफ-टॉप हार्वेस्टिंग जैसे कार्य शामिल हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से बारिश के पानी को बहकर व्यर्थ जाने से रोककर सीधे जमीन के भीतर उतारा जा रहा है।

कैच द रैन-जल शक्ति अभियान 2.0 जल शक्ति अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कुल 87173 कार्यों का जेएसए-सीटीआर पोर्टल में प्रविष्टि किया गया है। रैन वाटर हार्वेस्टिंग, सोक पीट 61831 कार्य,डबरी, कुंआ, तालाब, रिचार्ज पिट, डब्ल्यूएटी,एससीटी 7803 कार्य,जल संसाधन विभाग द्वारा एनीकट, स्टॉप डेम, डायवर्सन, जलाशय, नहर 21 कार्य,वन विभाग(कैम्पा) द्वारा एलबीसीडी, एससीटी, गाबिन, चेक डेम 15259 कार्य,कृषि विभाग द्वारा बोरवेल रिचार्ज,सोक पिट,ट्रेंच 1153 कार्य,अर्बन फंड द्वारा रैन वाटर हार्वेस्टिंग 1034 कार्य,सीएसआर मद द्वारा तालाब गहरीकरण, आरडब्ल्यूएच, ट्रेंच, चेक डेम 72 कार्य, अमृत सरोवर एवं नवीन तलब 51 शामिल है।

जल प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए विभिन्न संरचना निर्माण में राष्ट्रीय स्टर पर जिला वर्तमान में जिला तीसरे स्थान पर है।

## तपती गर्मी के बीच ठंडे सुकून की तलाश में उद्यानों में जुट रही लोगों की भीड़

# निगम की इको-स्टेप योजना से गार्डन बन रहे ग्रीन हट

श्रीकंचनपथ समाचार

**कोरबा।** नगर पालिक निगम कोरबा की '' इको-स्टेप '' बैंकर्स ग्रीन एप्रोच योजना से निगम के गार्डन '' ग्रीन हट '' बन रहे हैं, इन उद्यानों में तपती गर्मी के बीच '' ठंडे सुकून '' की तलाश में लोगों की भारी भीड़ जुट रही है, लोग सपरिवार घनी हरीतिमा व आक्सीजन से भरपूर वातातवरण में समय बिता रहे हैं, वाकिंग कर रहे हैं, योगा प्राणायाम कर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं, वहीं इन उद्यानों में बैंकों द्वारा स्थापित ब्रांडिंग बोर्ड जहाँ एक ओर स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते नजर आ रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर हरे भरे पेड़-पौधों व ठंडी घांस से आच्छादित उद्यान अपनी जीवन्तता प्रस्तुत कर रहे हैं, वर्तमान में इसका ताजा उदाहरण बना है, घंटाघर निहारिका मार्ग पर स्थित निगम का स्मृति उद्यान।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अपनी पदस्थापना के समय से ही एक ओर जहाँ

शहर की स्वच्छता, साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, शहर सौंदर्यीकरण, अवैध कब्जों को दूर करने व शहर को व्यवस्थित करने की दिशा में धरातलीय स्तर पर ठोस कार्य प्रारंभ कराया था, वहीं दूसरी ओर शहर में हरीतिमा बिखेरने, ग्रीन कारिडोर तैयार करने, सड़क डिवाईडर व रोड साईट में पौधों को रोपण करने, उद्यानों को ग्रीन हट का स्वरूप देते हुये पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सुनियोजित कार्ययोजना के तहत कार्यवाही प्रारंभ कराई थी, आज एक ओर जहाँ सम्पूर्ण शहर में इसके सकारात्मक परिणाम दृष्टिगोचर हो रहे हैं, हरीतिमा बिखर रही है, वहीं दूसरी ओर निगम के प्रमुख उद्यान '' ग्रीन हट '' का स्वरूप धारण कर रहे हैं। बुजुर्ग हो या जवान, बच्चे हो या महिलाएं सभी जन उद्यानों के बदले स्वरूप का लुत्फउठा रहे हैं, परिणाम स्वरूप आज इन उद्यानों में तपती गर्मी के बीच ठंडे-ठंडे सुकून के लिये हरीतिमा युक्त वातावरण का लाभ उठाने के लिये सुबह-शाम लोगों की भीड़ जुट रही है, उद्यान गुलजार हो रहे हैं।

नगर निगम कोरबा की इस अभिनव योजना '' इको-स्टेप '' बैंकर्स ग्रीन एप्रोच का शुभारंभ 04 दिसम्बर 2025 को छत्तीसगढ़ शासन के सचिव एवं कोरबा जिला के प्रभारी सचिव श्री रोहित यादव एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा किया गया था, इस योजना के तहत निगम के उद्यानोंके संधारण, संरक्षण व संचालन आदि की महती जिम्मेदारी विभिन्न बैंकों को दी गई थी, जिसके तहत यह प्रावधान रखा गया था कि बैंकर्स अपने सी.एस.आर. मद से इन उद्यानों कें संधारण संरक्षण व वहाँ पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य करेंगे तथा इसके बदले में वे उद्यानों में अपने ब्रांडिंग बोर्ड स्थापित कर अपनी ब्रांडिंग करेंगे तथा साफ-सफाई, स्वच्छता व पर्यावरण का संदेश भी इनके माध्यम से देंगे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अपने जिन प्रमुख 05 उद्यानों के संचालन, संधारण व संरक्षण हेतु विभिन्न 05 बैंकों को दिया गया था, उनमें एच.डी.एफसी. बैंक को स्मृति उद्यान, महाराष्ट्रा बैंक को पुष्पलता उद्यान, इंडियन ओवरसीज बैंक को साडा कालोनी शिव मंदिर उद्यान, आई.डी.एफसी. बैंक को महाराणा प्रताप उद्यान तथा स्टेट बैंक आफ इंडिया को रविशंकर नगर उद्यान की जिम्मेदारी दी गई है। निगम द्वारा इन उद्यानों के संधारण, संरक्षण व संचालन हेतु प्रतिवर्ष 50 लाख रूपये का व्यय किया जाता था, अब इन उद्यानों की जिम्मेदारी बैंकों को दिये जाने से निगम को प्रतिवर्ष लगभग 50 लाख रूपये की बचत हो रही है, तो वहीं दूसरी ओर उद्यानों की व्यवस्थाएं सुधरी हैं।

# जनजातीय योजनाओं की मॉनिटरिंग को मिली नई रफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मंत्री रामविचार नेताम ने आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए 8 जिलों के लिए नए विभागीय वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि मैदानी क्षेत्रों में योजनाओं के संचालन एवं मॉनीटरिंग में वाहन सुविधा की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी, जिसे अब दूर किया जा रहा है। इससे दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक विभागीय गतिविधियों की पहुंच और अधिक मजबूत होगी।

मंत्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। नए वाहनों की

उपलब्धता से जिला एवं विकासखंड स्तर पर अधिकारियों और मैदानी अमले को योजनाओं के क्रियान्वयन, निरीक्षण, मॉनीटरिंग तथा हितग्राहियों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। इससे विशेष पिछड़ी जनजातियों एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित योजनाओं में तेजी आएगी।

मंत्री नेताम ने विभागीय अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद विभाग लगातार बेहतर कार्य कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके विशेष समन्वय एवं पहल से वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त कर वाहन उपलब्ध कराए जा सके हैं।

उन्होंने कहा कि भविष्य में जिला एवं विकासखंड स्तर पर भी अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि योजनाओं का संचालन और अधिक प्रभावी ढंग से हो सके। विभागीय अधिकारियों ने इसे आदिम जाति विकास विभाग के मैदानी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।


CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
K. Satyanarayan
Mo.9300771925, 0788-4030919

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
वैन्टेयस एवं ग्राहलन उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

# ऑपरेशन तलाश : छत्तीसगढ़ पुलिस ने 4 हजार से ज्यादा बिछड़े लोगों को परिवारों से मिलाया

## संवेदनशील पुलिसिंग की मिसाल, पांच वर्षों में 87 हजार से अधिक गुम इंसानों की हुई बरामदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर। छत्तीसगढ़ में गुमशुदा लोगों की तलाश अब केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवेदनशील पुलिसिंग और मानवीय जिम्मेदारी की मजबूत पहल बन गयी है। राज्य में वर्ष 2021 से अप्रैल 2026 तक कुल 1 लाख 3 हजार 766 गुम इंसानों की रिपोर्ट दर्ज हुई, जिनमें से 87 हजार 35 लोगों को पुलिस ने सुरक्षित बरामद कर उनके परिवारों तक पहुंचाया है।**

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुलिस महकमे के आला अधिकारियों को राज्य में गुमशुदा लोगों की तलाश के लिए प्रभावी अभियान संचालित करने के निर्देश दिए थे। छत्तीसगढ़ में पुलिस प्रशासन द्वारा संचालित ऑपरेशन तलाश और ऑपरेशन मुस्कान के जरिए बरामद लोगों में 2 हजार 785 बालक, 16 हजार 472 बालिकाएं, 18 हजार 671 पुरुष और 49 हजार 107 महिलाएं शामिल हैं। इन आंकड़ों ने यह साबित किया है कि छत्तीसगढ़ पुलिस लगातार संवेदनशीलता और तकनीकी दक्षता के साथ गुमशुदा लोगों की तलाश में सक्रिय है।

राजधानी रायपुर सहित अविभाजित जिले में भी पुलिस की सक्रियता प्रभावी रही। यहां गुम नाबालिगों, महिलाओं और पुरुषों से संबंधित 15 हजार 632 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें से 12 हजार 456 लोगों को खोज निकाला गया। लंबित मामलों की नियमित समीक्षा की जा रही है और जिला स्तर पर विशेष टीमों की तैनाती के साथ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। महत्वपूर्ण बात यह रही कि इन मामलों में अब तक मानव तस्करी जैसे किसी बड़े संगठित अपराध की जानकारी सामने नहीं आई है। बरामद लोगों ने अपने कथनों में बताया कि अधिकांश लोग प्रेम संबंध, रोजगार की तलाश, परिजनों की डांट या घूमने जाने जैसी वजहों से घर छोड़कर चले गए थे। इनमें से कई लोग बाद में स्वयं भी वापस लौट आए।

### अप्रैल में चला ऑपरेशन तलाश 4056 लोगों की हुई बरामदगी

गुमशुदा लोगों की तलाश को तेज गति देने के लिए अप्रैल 2026 में राज्यभर में ऑपरेशन तलाश अभियान चलाया गया। इस अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस को उल्लेखनीय सफलता मिली और केवल एक माह में 4 हजार 56 गुमशुदा लोगों को खोज निकाला गया। इनमें 545 बच्चे तथा 3511 महिला और पुरुष शामिल रहे। बरामद लोगों में 75 बालक, 470 बालिकाएं, 972 पुरुष और 2539 महिलाएं शामिल हैं। सभी को विधिवत उनके परिवारों से मिलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने अंतर्राज्यीय समन्वय का भी प्रभावी उपयोग किया। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, झारखंड, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों से 182 गुमशुदा लोगों को खोजकर वापस लाया गया। इनमें 3 बालक, 63 बालिकाएं, 13 पुरुष और 103 महिलाएं शामिल हैं।

### जिलों की सक्रिय भूमिका से मिली बड़ी सफलता

ऑपरेशन तलाश में जिला पुलिस इकाइयों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रही। बरामदगी के मामले में दुर्ग जिला सबसे आगे रहा, जहां 683 लोगों की पतासाजी की गई। इसके बाद बिलासपुर में 648, रायपुर में 426, राजनांदगांव में 280, रायगढ़ में 251 और महासमुंद में 183 गुम इंसानों को खोजा गया। इसी तरह बलौदाबाजार में 136, जांजगीर-चांपा में 134, सरगुजा में 114 और बालोद जिले में 106 लोगों को बरामद कर अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया।

### अभिव्यक्ति अभियान से बढ़ रही जागरूकता

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर राज्य में अभिव्यक्ति जागरूकता अभियान भी लगातार चलाया जा रहा है। इसके तहत स्कूल, कॉलेज, छात्रावासों और ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में पुलिस टीमें पहुंचकर लोगों को मानव तस्करी, साइबर अपराध, पॉक्सो एक्ट, नए कानूनों और आत्मरक्षा के बारे में जानकारी दे रही हैं। इसके साथ ही गुम बच्चों की खोज के लिए ऑपरेशन मुस्कान और गुम इंसानों की तलाश के लिए ऑपरेशन तलाश जैसे अभियान समय-समय पर संचालित किए जा रहे हैं। पुलिस तकनीकी संसाधनों, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और ईश्तहारों के माध्यम से भी लगातार निगरानी और खोजबीन कर रही है।

### हर बरामद व्यक्ति किसी परिवार की खुशी

छत्तीसगढ़ पुलिस का मानना है कि हर गुमशुदा बच्चे, महिला या व्यक्ति की बरामदगी किसी परिवार की चिंता और पीड़ा का अंत होती है। यही कारण है कि पुलिस इसे केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवीय दायित्व मानकर काम कर रही है। संवेदनशील पुलिसिंग, तकनीकी सहयोग, मजबूत सूचना तंत्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय के चलते हजारों परिवारों के चेहरे पर फिर मुस्कान लौट सकी है। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि किसी भी व्यक्ति, खासकर नाबालिग, महिला या बुजुर्ग के गुम होने की सूचना तुरंत नजदीकी थाना, डायल 112 या पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें, ताकि समय रहते उनकी सुरक्षित तलाश सुनिश्चित की जा सके।

## खास खबर

### तेज रफ्तार कार पार्सल वाहन से टकराई, एसईसीएल कर्मचारी की मौत

**कोरबा।** बांगों थाना अंतर्गत नेशनल हाइवे-130 में चोटिया के पास दर्दनाक हादसा हुआ। प्रमोशन मिलने के बाद ड्यूटी ज्वाइन करने सिंगरौली जा रहे एसईसीएल गेवरा एरिया के पूर्व जीएम अरुण कुमार त्यागी की कार का शिकार हो गई। घटना में उनकी मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, एसईसीएल गेवरा एरिया के पूर्व महाप्रबंधक अरुण त्यागीको हाल ही में निर्देशक तकनीकी (डीटी) के पद पर प्रमोशन मिला था। वह ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए कार से सिंगरौली जा रहे थे। इसी दौरान एनएच-130 में चोटिया क्षेत्र के पास उनकी कार आगे चल रही पार्सल वाहने से जा टकराई। भीषण हादसे में अरुण त्यागी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पातल पहुंचाया। जहां उन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

### मादा नील गाय के अवैध शिकार में तीन आरोपियों ने किया समर्पण

**महासमुंद।** शासन के मंशानुरूप अवैध शिकार के प्रकरणों में त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की दिशा में वन विभाग निरंतर सक्रिय है। इसी क्रम में 07 मई 2026 को वन परिक्षेत्र पिथौरा अंतर्गत परिवृत्त पूर्व पिथौरा के परिसर सुखीपाली में कक्ष क्रमांक 234 के समीप शांतिनगर (सुखीपाली) में दिनांक 04 मई को हुए वन्यप्राणी मादा नीलगाय अवैध शिकार के प्रकरण में ग्राम शांतिनगर सुखीपाली निवासी फरार मुख्य आरोपी ईश्वर राणा वल्द मनीराम राणा जाति कुम्हार, टंकधर वल्द सीताराम जाति सतनामी एवं विद्याधर वल्द ललित प्रधान उम्र 50 वर्ष द्वारा वन परिक्षेत्र कार्यालय पिथौरा में आत्मसमर्पण किया गया। आत्मसमर्पण उपरांत आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर घटना के संबंध में गहन पूछताछ की जा रही है। प्रकरण में भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उक्त प्रकरण में एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

### पत्नी से नाराज पति ने फांसी लगाकर दी जान

**अंबिकापुर।** ग्राम कुंदीकला में पति को हल्ला करने से मना करना पत्नी को भारी पड़ गया। पत्नी की बात से नाराज पति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि सुबह शराब के नशे में पति घर में हल्ला कर रहा था। जिससे नाराज पत्नी ने उसे हल्ला करने से मना किया, तो पति मोतीलाल ने बकरी बांधने वाली रस्सी के सहारे से म्यांर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

### समाधान सेल की सूचना पर शराब कोचिया गिरफ्तार

**बलौदाबाजार।** एक व्हाट्सएप मैसेज और कॉल ने गांव में चल रहे अवैध शराब कारोबार की पोल खोल दी। समाधान सेल में मिली गुप्त सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस ने ऐसी दबिश दी कि शराब बेच रहा आरोपी मौके पर ही रंगे हाथों धर लिया गया। ग्राम खैंदा में लंबे समय से चल रही अवैध शराब बिक्री पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 57 वर्षीय धन कुमार टंडन को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 13 पाव देशी मसाला शराब और 20 पाव अंग्रेजी शराब जब्त की गई, जिसकी कुल कीमत करीब 3900 रुपये बताई जा रही है। पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को उस वक्त पकड़ा जब वह अवैध रूप से शराब बेच रहा था। कार्रवाई थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र में समाधान सेल हेल्पलाइन पर मिली सूचना के आधार पर की गई।

## आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर को बदला, कारोबारी के खाते से 3 लाख पार

**दुर्ग।** भिलाई में ठगों ने एक कारोबारी के आधार कार्ड से जुड़ा मोबाइल नंबर बदल दिया और उसके नाम पर बैंक खाता खोलकर करीब तीन लाख रुपए का लोन निकाल लिया। पीड़ित को इसकी जानकारी तब मिली जब उसने अपना सिबिल स्कोर चेक किया।

इस संबंध में नेवई थाना में शिकायत दर्ज कराई गई है। पीड़ित राजेश कुमार (36 वर्ष) रूआबांधा, भिलाई के निवासी हैं। वे रिसाली के मैत्री नगर में 'मुक्ता कंप्यूटर एंड च्वाइस सेंटर' का संचालन करते हैं। राजेश के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 को किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी अनुमति के बिना उनके आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर बदल दिया। उन्हें कई दिनों तक इस धोखाधड़ी की जानकारी नहीं मिली। राजेश कुमार को 27 अप्रैल को संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने उईडीआई की हेल्पलाइन 1947 पर संपर्क किया। हेल्पलाइन से उन्हें बताया गया कि उनके आधार कार्ड से जुड़ा मोबाइल नंबर बदला जा चुका है। उन्होंने नए लिंक किए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

इसके बाद उन्हें अपनी पहचान के दुरुपयोग की आशंका हुई। उन्होंने तुरंत आधार पोर्टल पर लॉगिन कर अपनी हिस्ट्री चेक की। आधार हिस्ट्री देखने पर राजेश कुमार को पता चला कि उनके दस्तावेजों का उपयोग कर कई बैंकों में खाता खोलने के लिए पूछताछ की गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि नेहरू नगर स्थित कोटक महिंद्रा बैंक में उनके नाम से एक खाता खोला गया है।

इसके बाद उन्होंने बैंक पहुंचकर उस खाते को बंद कराने के लिए आवेदन दिया। अपना सिबिल स्कोर चेक किया तो उनके नाम पर लगभग 2 लाख 96 हजार 443 रुपए का लोन स्वीकृत दिख रहा है। यह लोन डीएमआई फायनेंस प्राइवेट लिमिटेड और टू केडिट प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से लिया गया बताया जा रहा है। नेवई थाना पुलिस ने प्रथम दृष्टया अपराध मानते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

## सटोरी नमन जग्गी-आयुष जैन को पैनल देने वाला गिरफ्तार, आरोपी को नागपुर से पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रायपुर पुलिस ने नमन जग्गी और आयुष जैन को सट्टा पैनल उपलब्ध कराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और माना जा रहा है कि पूछताछ में बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। आरोपी सटोरी का नाम अंकित अग्रवाल बताया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी लंबे समय से ऑनलाइन सट्टा कारोबार से जुड़ा हुआ था और मुख्य आरोपियों को तकनीकी सपोर्ट व सट्टा पैनल उपलब्ध कराता था। इसी पैनल के जरिए ऑनलाइन बेटिंग और लेन-देन का नेटवर्क संचालित किया जा रहा था। पुलिस को आरोपी की तलाश काफी समय से थी।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को तकनीकी इनपुट और मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी के नागपुर में छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने वहां दबिश देकर उसे हिरासत में लिया और रायपुर लाया गया। आरोपी के साथी नमन जग्गी और आयुष जैन को पुलिस ने 5 मई को पकड़ा था।

अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ में सट्टा नेटवर्क से जुड़े कई अहम नाम सामने आ सकते हैं। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि नेटवर्क का संचालन किन राज्यों तक फैला हुआ था और इसमें कितने लोग शामिल हैं। आरोपी के मोबाइल, लैपटॉप और बैंकिंग ट्रांजैक्शन की भी जांच की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि करोड़ों रुपए का ऑनलाइन लेन-देन अलग-अलग खातों और फर्जी आईडी के जरिए किया गया है।

### चार महीने में 78 आरोपी पकड़ाए

साल 2026 में कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद अब तक 15 केस में 78 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से नगदी रकम 67 लाख कैश, 217 मोबाइल फोन, 20 लैपटॉप, 10 चारपहिया गाड़ी, 4 दोपहिया गाड़ी सहित सभी सामान की कीमत लगभग साढ़े 3 करोड़ रुपए हैं।

## 21 लाख लेकर पंडित प्रदीप मिश्रा को कथा करने नहीं बुलाया, एफआईआर दर्ज

**राजनांदगांव।** अंबागढ़ चौकी की भोलेनाथ सेवा समिति ने छुरिया ब्लॉक के हालेकोसा निवासी दिनेश साहू पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी। शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दिनेश साहू के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया। बताया गया है कि आरोपित दिनेश साहू वही व्यक्ति है, जो हर वर्ष अपने गृह ग्राम में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा आयोजित कराता रहा है।

शिकायतकर्ताओं के अनुसार दिनेश साहू ने दो किश्तों में नगद राशि प्राप्त की और आयोजकों को कथा के लिए कथित रूप से झूठी तारीख दे दी। जब उससे रकम वापस मांगी गई तो वह मुकरने लगा। समिति अध्यक्ष दीपचंद रजक ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा का आयोजन दिनेश साहू के माध्यम से होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद समिति के सदस्य उसके गांव पहुंचे और आयोजन को लेकर चर्चा की। दिनेश ने आयोजन के लिए नगद राशि देने को कहा। पहले पांच लाख और बाद में 16 लाख रुपये उसे दिए गए। उसने जल्द कथा की तारीख बताने का भरोसा दिलाया। कुछ दिनों बाद उसने 8 से 14 मई तक कथा आयोजन की तारीख बताई, लेकिन बाद में जानकारी मिली कि उन दिनों पंडित प्रदीप मिश्रा का कार्यक्रम रांची में तय है। तब तक समिति द्वारा बैनर, पोस्टर और होर्डिंग लगवाए जा चुके थे और लोगों को आमंत्रित भी किया जा चुका था।

इसी दौरान समिति को कथित धोखाधड़ी की जानकारी मिली। उन्होंने सिहोर जाकर भी मामले की शिकायत करने की कोशिश की, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। आरोपित दिनेश साहू ने कहा कि समिति ने समय पर पैसा जमा नहीं किया, जिसके चलते कथा रद हुई। उनका कहना है कि उन्होंने रकम अकाउंट में जमा करने के लिए कहा था, लेकिन समिति ने नगद राशि दी। दिनेश साहू ने दावा किया कि वह पैसे वापस कर रहा है और पांच लाख रुपये टेंट वाले के पास जमा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में उनके चाचा का निधन हो गया था, जिसके कारण वह व्यस्त थे और इसी बीच शिकायत दर्ज करा दी गई।

### दुर्ग में बॉयज हॉस्टल की आड़ में अवैध पनीर कारोबार का खुलासा

## खाद्य विभाग की कार्रवाई, 140 किलो पनीर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** शहर से लगे क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। शैल देवी महाविद्यालय के सामने स्थित एक भवन में बॉयज हॉस्टल की आड़ में अवैध रूप से पनीर का भंडारण और सप्लाई किए जाने का खुलासा हुआ है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने छापेमार कार्रवाई करते हुए मौके से करीब 140 किलो पनीर जब्त किया है। जब्त सामग्री की कीमत लगभग 50 हजार रुपये आंकी गई है।

जानकारी के अनुसार संबंधित भवन को बाहर से बॉयज हॉस्टल के रूप में दर्शाया गया था, लेकिन अंदर बड़े पैमाने पर पनीर स्टोर कर विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि यह कारोबार बिना वैध लाइसेंस और खाद्य विभाग की अनुमति के संचालित किया जा रहा था।

सूचना मिलने पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि कार्रवाई से पहले अधिकांश माल हटाया जा चुका था, लेकिन कंटेनरों में रखे पनीर को जब्त कर लिया गया। विभाग ने पनीर के सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई के दौरान अधिकारियों को मौके से नोट गिनने की मशीन और एक तिजोरी भी मिली है। इससे आशंका जताई जा रही है कि अवैध कारोबार लंबे समय से बड़े स्तर पर संचालित किया जा रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना किसी संरक्षण या मिलीभगत के इतने बड़े स्तर पर इस तरह का कारोबार चल पाना संभव नहीं है। फिलहाल खाद्य विभाग पूरे मामले की जांच में जुटा हुआ है। यह पता लगाया जा रहा है कि संदिग्ध पनीर की सप्लाई किन-किन क्षेत्रों में की जा रही थी और इस नेटवर्क से जुड़े लोग कौन हैं। कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप का माहौल है।

## छात्र ने बैराज नदी में कूदकर किया आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जांजगीर-चांपा।** मंगलवार शाम से लापता शिवम के लौट के आने के सारी उम्मीदें उस समय खत्म हो गई जब गुरूवार सुबह कुदरी बैराज के पास पानी में उसका शव दिखा। 40 घंटे से उसकी तलाश की जा रही थी।

उसके वाटसएप मैसेज, प्रत्यक्षदर्शी ऑटो चालक व दोस्तों से बातचीत से यह अंदेशा था कि उक्त युवक ने कुदरी बैराज से नदी में छलांग लगाई है। परंतु एक आस भी थी कि हो सकता है कि उसने अपना इरादा बदल लिया हो परंतु नियति को यही मंजूर था।

बताते चले कि शंकर नगर निवासी शिवम साहू लायंस स्कूल चांपा में कक्षा 11वीं (गणित) का छात्र था, मंगलवार शाम करीब 4 बजे से लापता था। प्रत्यक्षदर्शियों और दोस्तों के मुताबिक, शिवम अपने मित्रों से यह कहकर निकला था कि वह परीक्षा में सफल नहीं हो पाया है, इसलिए वह कुदरी डेम (बैराज) में जान देने जा रहा है। घटना के समय बैराज से गुजर रहे एक ऑटो चालक ने छात्र को अपना मोबाइल फेंककर पानी में कूदते देखा। चालक ने तुरंत इसकी सूचना वहां तैनात प्लांट के चौकीदार को दी और मंगलवार शाम से ही लापता छात्र की तलाश हो रही थी।

जिला आपदा प्रबंधन की टीम व एसडीआरएफने रेस्क्यू शाम को अंधेरे के कारण रेस्क्यू बंद किया गया. । बुधवार सुबह नदी में नहाने आये लोगों ने उसकी लाश को देखा और इसकी सूचना दी। शव बाहर निकालकर उसे परिजनों को सौपा गया।


## कार्यालय कलेक्टर, जिला बालोद (छ.ग.)

// सार्वजनिक सूचना //

क्रमांक/3039/कले./भू-अर्जन/भूकनी/2026 बालोद, दिनांक 07/5/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 2016 के तहत् कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग दुर्ग द्वारा जिला बालोद अंतर्गत बोरी-भेंगारी मार्ग में सेमरिया नाला पर उच्चस्तरीय पुलमय पहुंच मार्ग निर्माण कार्य के लिये ग्राम पसौद प.ह.नं. 52 रा.नि.मं. सिकोसा तहसील गुण्डरदेही जिला बालोद (छ.ग.) के निम्नानुसार भू-धारकों को भूमि की आवश्यकता होने से कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग दुर्ग के पक्ष में क्रय किए जाने पर विचार किया जा रहा है:-

| क्र. | भू-धारक का नाम | खसरा नं. | कुल रकबा (हे.में) | क्रय हेतु प्रस्तावित रकबा (हे.) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | दिनेश कुमार पिता फगनू, भूपत कुमार पिता फगनू, कुमारी पिता फगनू, श्यामा बाई पति फगनू, कुलेश्वरी पिता फगनू गोविन्दा पिता मदनलाल, गोपाला पिता मदनलाल, नीरज कुमारी पिता मदनलाल पुजा पिता मदनलाल, अनीता बाई पति मदनलाल | 346/1 | 0.240 | 0.105 |
| 2 | चुरामन लाल यादव पिता रेवाराम, खेमलाल यादव पिता रेवाराम | 346/2 | 0.170 | 0.070 |
| | योग | 02 | 0.410 | 0.175 |

उपरोक्त दर्शित भूमि के स्वत्व के विषय मे किसी को कोई आपत्ति हो, तो जारी दिनांक से 15 (पंद्रह) दिवस के भीतर स्वत: अथवा अधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से आधार सहित मेरे समक्ष लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

जी-262700602/3

कलेक्टर
जिला - बालोद


## पेट्रोल पंप मैनेजर से लूट, पिस्टलनुमा हथियार दिखाकर बदमाश फरार

**अंबिकापुर।** दरिमा थाना क्षेत्र के नवगई चौक के पास पेट्रोल पंप मैनेजर से लूट की बड़ी वारदात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, पांच बदमाशों ने मैनेजर को रोककर उसके साथ मारपीट की और पिस्टलनुमा हथियार दिखाकर धमकाया। बदमाश मैनेजर से 61 हजार 670 रुपये नगद, मोबाइल फोन और बाइक लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही दरिमा पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है तथा आसपास के क्षेत्रों में जांच और पूछताछ की जा रही है।

### वैवाहिक जीवन की सफलता का मिला मंत्र

## मुख्यमंत्री कन्या विवाह : सारंगढ़ में 96 जोड़े दांपत्य सूत्र में आबद्ध हुए

**सारंगढ़।** मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के माध्यम से 8 मई को सारंगढ़ का कृषि उपज मंडी प्रांगण खुशियों और उत्सव का गवाह बना। भव्य सामूहिक विवाह समारोह में 96 जोड़ों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सात फेरे लिए।

राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने नवविवाहित जोड़ों को वैवाहिक जीवन की सफलता का एक विशेष मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग के दौर में मोबाइल का अत्यधिक उपयोग रिश्तों में दरार की वजह बन रहा है। छोटी-छोटी बातों पर होने वाले विवादों से बचने के लिए मोबाइल का उपयोग जरूरत के अनुसार ही करें। आपसी सामंजस्य और प्रेम ही सुखी गृहस्थ जीवन का आधार है। मंत्री ने शासन की इस योजना को गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि समाज का हर वर्ग गरिमा के साथ मांगलिक कार्य संपन्न कर सके। इस दौरान उन्होंने सभी जोड़ों को शासन की ओर से मिलने वाली 35-35 हजार रुपये की सहायता राशि के चेक वितरित किए। यह भव्य आयोजन न केवल सामाजिक समरसता का उदाहरण बना।

# सामाजिक समरसता और सादगी का प्रतीक है सामूहिक विवाह

- दहेज प्रथा के खिलाफ सशक्त संदेश देते हैं ऐसे समारोह वित्त मंत्री चौधरी
- रायगढ़ जिले में 150 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न
- प्रत्येक जोड़े को 50 हजार रुपये की सहायता, 35 हजार सीधे खाते में
- 45 नववधुओं को स्वेच्छानुदान मद से 5-5 हजार रुपये की अतिरिक्त राशि

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायगढ़।** वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने शुक्रवार को रायगढ़ के पटेलपाली कृषि उपज मंडी में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

जिले के विभिन्न विकासखंडों में आयोजित इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 150 नवदंपतियों ने वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ सात फेरे लेकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। आयोजन में सामाजिक समरसता, सादगी, संस्कार और पारिवारिक सौहार्द का भाव देखने को मिला।

जिले में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रमों के तहत रायगढ़ में 45, खरसिया विकासखंड में 15, बंजारी धाम खरसिया में 30, लैलूंगा विकासखंड में 30 तथा धरमजयगढ़ में 30 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। सभी आयोजन स्थलों पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आकर्षक एवं सुव्यवस्थित तैयारियां की गई थीं। विवाह मंडपों को पारंपरिक सजावट से सजाया गया था तथा वर-वधू एवं उनके परिजनों के लिए आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल विवाह संपन्न कराने की योजना नहीं, बल्कि सामाजिक समानता, सादगी और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ प्रभावी संदेश देते हैं और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराने के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। शासन की प्राथमिकता है कि किसी भी परिवार को आर्थिक अभाव के कारण बेटी के विवाह में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

श्री चौधरी ने शासन की पारदर्शी व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिसमें से 35 हजार रुपये सीधे हितग्राही के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित किए जा रहे हैं, ताकि बिचौलियों की कोई भूमिका न रहे और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि शेष राशि वर-वधू के परिधान, आवश्यक सामग्री एवं विवाह आयोजन की व्यवस्थाओं पर व्यय की जाती है। राज्य सरकार की यह पहल योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने राज्य शासन की महत्वाकांक्षी रानी दुर्गावती योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि बेटियों के सुरक्षित एवं सशक्त भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह योजना प्रारंभ की जा रही है। इसके तहत बेटी के जन्म के बाद पंजीयन कराने पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर शासन की ओर से डेढ़ लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना बेटियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने 45 नववधुओं को स्वेच्छानुदान मद से 5-5 हजार रुपये की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद यह राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में अंतरित की जाएगी।

## अंबिकापुर में गूंजी शहनाई, 43 जोड़ों ने किया विवाह

श्रीकंचनपथ समाचार

अंबिकापुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल अंबिकापुर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए जहां 43 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। श्री अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा का संकल्प है। आर्थिक तंगी कभी भी किसी परिवार की खुशियों और बेटियों के हाथ पीले करने में बाधा न बने, यही सरकार का लक्ष्य है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि सामूहिक विवाह से सामाजिक कुरीतियों और फिजूलखर्ची पर लगाम लगती है, जिससे समाज में समानता और समरसता का भाव प्रबल होता है।

इस अवसर पर राजमोहनी भवन का परिसर वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक गीतों से गुंजायमान रहा। पूरी रस्मों-रिवाजों के साथ वरमाला, सिंदूरदान और फेरों की प्रक्रिया संपन्न हुई। समारोह में न केवल परिजन, बल्कि बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और प्रबुद्ध नागरिक भी नवदम्पत्तियों का उत्साह बढ़ाने पहुंचे।

योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को 35 हजार रुपये की प्रत्यक्ष सहायता के अलावा आवश्यक घरेलू सामग्री भी भेंट की गई। योजना के तहत 8 मई को प्रदेश में कुल 2188 जोड़ों ने दाम्पत्य जीवन में प्रवेश किया जिसमें सभी प्राय: धर्मों के लोग शामिल हुए।

विदाई के समय माहौल अत्यंत भावुक रहा। परिजनों ने शासन द्वारा की गई सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना ने उन्हें आर्थिक बोझ से मुक्त कर एक सम्मानजनक आयोजन का अवसर प्रदान किया है। मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी जोड़ों के सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की।

## कांसाबेल में 12 जोड़ों ने सामूहिक विवाह को अपनाया

- हिन्दुओं के साथ 3 ईसाई जोड़े भी हुए शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

**जशपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 12 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे, जिनमें 9 जोड़े हिंदू एवं 3 जोड़े ईसाई समुदाय से शामिल रहे।

समारोह में पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामाजिक सौहार्द की सुंदर झलक देखने को मिली। विवाह कार्यक्रम की शुरुआत बारात निकासी से हुई, जिसमें वर-वधू पक्ष के परिजन एवं ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। वधू पक्ष द्वारा बारात का पारंपरिक स्वागत किया गया तथा विधिवत वैवाहिक रस्में संपन्न कराई गईं।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवविवाहित दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम में जनपद पंचायत कांसाबेल की अध्यक्ष श्रीमती सरिता भगत, उपाध्यक्ष श्री प्रमोद गुप्ता, जनपद सदस्य शिप्रा दास सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ सामूहिक विवाह की परंपरा को भी बढ़ावा दे रहा है। योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सम्मानपूर्वक विवाह संपन्न कराने में सहायता मिल रही है, जिससे समाज में सकारात्मक संदेश भी प्रसारित हो रहा है।

## रायपुर जिले में 62 जोड़ों लिए सात फेरे

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देशानुसार रायपुर जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत आज तीन विभिन्न स्थलों पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कुल 62 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ नए जीवन की शुरुआत की।

टाऊन हॉल, आरंग में 16 जोड़ों का विवाह कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्री गुरू खुशवंत साहेब के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन, जनपद अध्यक्ष टाकेश्वरी मुरली साहू, जनपद सदस्य पद्मिनी साहू एवं जनपद उपाध्यक्ष रविन्द्र चंद्राकर उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन, सासाहोली, तिल्दा-नेवरा में 31 जोड़ों का विवाह जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, जनपद पंचायत अध्यक्ष टीकेश्वर मनहरे, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा, जिला पंचायत सदस्य एवं महिला एवं बाल विकास सभापति शैल महेन्द्र साहू, जनपद सदस्य एवं महिला एवं बाल विकास सभापति सरोज मुकेश भारद्वाज, नगर पालिका उपाध्यक्ष पलक सुखवानी एवं समस्त पार्षदगण तिल्दा की उपस्थिति में संपन्न कराया गया।

मंगल भवन, धरसीवां में 15 जोड़ों का विवाह जिला पंचायत सदस्य सरोज चंद्रवंशी एवं जनपद अध्यक्ष शकुंतला सेन की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। शासन द्वारा सभी नवविवाहित जोड़ों को योजनांतर्गत निर्धारित सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने नवदंपत्तियों को सुखमय एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन हेतु शुभकामनाएं दीं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बेटियों का सम्मान और सशक्तिकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से गरीब परिवारों को संबल मिल रहा है और सामाजिक समरसता को बढ़ावा मिल रहा है। इस दौरान विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

## शिवरीनारायण में 23 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न, विधायक ने दिया आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

**जांजगीर-चांपा।** मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण स्थित सत्संग भवन में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अनिता अग्रवाल ने बताया कि विवाह समारोह में 22 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाज से तथा एक जोड़े का निकाह मुस्लिम परंपरा के अनुसार संपन्न हुआ। विवाह उपरांत सभी नवदंपतियों को विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

समारोह में विधायक पामगढ़ शेषराज हरबंश, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यालता आनंद मिरी, राजेश्री महंत डॉ. रामसुंदर दास सहित पार्षदगण उपस्थित रहे।

अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय एवं सफल वैवाहिक जीवन की कामना की। योजना के माध्यम से बेटियों को सम्मानजनक एवं गरिमामय विवाह का लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के लोग मौजूद रहे।

## बदल रहा छत्तीसगढ़ : 2300 से अधिक जोड़ों ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में जताया विश्वास

- महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर से दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

**सूरजपुर।** महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि 'आत्मनिर्भर महिला ही सशक्त परिवार और समृद्ध समाज की आधारशिला है।' उन्होंने आज सूरजपुर जिले में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर नवदंपत्तियों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की।

प्रदेशभर में आज आयोजित सामूहिक विवाह समारोहों में सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विविधता की अनूठी झलक देखने को मिली। राज्य स्तर पर प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, विभिन्न जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 2188 जोड़े 8 मई को विवाह बंधन में बंधे, जबकि अन्य चरणों सहित यह संख्या बढ़कर 2393 जोड़ों तक पहुंच गई है।

सूरजपुर जिले में आयोजित भव्य समारोह में 100 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न इस आयोजन में मंत्रोच्चार, फेरे, सिंदूरदान और वरमाला की रस्में पूरी की गईं। शहनाइयों की गूंज, बैंड-बाजों की मधुर धुन और पुष्प वर्षा के बीच नवदंपत्तियों ने जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सम्मान और सहारा दोनों है। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा इस वर्ष दो चरणों में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंच सके।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि स्वावलंबी महिलाएं न केवल अपने परिवार को मजबूत बनाती हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। श्रीमती राजवाड़े ने नवदंपत्तियों से शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने उपस्थित जनसमुदाय को बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने की शपथ दिलाई और इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि राज्य शासन अंत्योदय की भावना के साथ कार्य करते हुए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रहा है।

सामूहिक विवाह समारोह में नवदंपत्तियों के चेहरों पर खुशी और संतोष झलक रहा था, वहीं बेटियों को विदा करते समय कई परिजनों की आंखें नम हो गईं। सभी ने इस गरिमामय आयोजन के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत सशक्त रूप से कर सकें।

## मुख्यमंत्री कन्या विवाह : सुकमा में 105 जोड़ों का विवाह

श्रीकंचनपथ समाचार

**सुकमा।** जिले में 8 मई को हड़मा स्टेडियम में विधिवत पूजा अर्चना के साथ भव्य मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह संपन्न हुआ। कलेक्टर सुकमा अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में 105 जोड़ों ने अपने-अपने रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह कर जीवन की नई शुरुआत की। इस अवसर पर जिलेभर से बड़ी संख्या में परिजन और नागरिक उपस्थित रहे, जिससे आयोजन उत्सव का रूप लेता नजर आया।

इस सामूहिक विवाह समारोह में हिंदू, ईसाई सहित विभिन्न धर्मों एवं समुदायों तथा विशेष पिछड़ी जनजातियों के जोड़ों की सहभागिता ने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता को मजबूत संदेश दिया। महिला आयोग की सदस्य दीपिका सोरी ने कहा कि यह आयोजन केवल विवाह कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में समानता, सम्मान और एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बेटियों का विवाह पहले चिंता का कारण होता था, लेकिन यह योजना अब भरोसा और गरिमा का आधार बन चुकी है।

योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिससे उन्हें गृहस्थ जीवन की शुरुआत में सहारा मिल सके। आयोजन को व्यवस्थित और गरिमामय बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। एसडीएम और जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री शिवदास नेताम के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने हर व्यवस्था को समयबद्ध तरीके से पूरा कर समारोह को सफल बनाया।

कार्यक्रम में शामिल नवविवाहित जोड़ों और परिजनों ने शासन-प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। बड़ेसेट्टी पंचायत के नवविवाहित जोड़े श्रीमती भावना अट्टी एवं श्री नागुल विनोद कुमार ने कहा कि उन्हें प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाएं अत्यंत अच्छी लगीं और विवाह पूरी गरिमा के साथ संपन्न हुआ। वहीं झापरा निवासी श्री रामकृष्ण सोड़ी ने बताया कि इस योजना से गरीब परिवारों को आर्थिक संबल मिलता है और बेटियों के विवाह में सम्मान के साथ सहयोग प्राप्त होता है। समारोह में हर चेहरे पर खुशी और संतोष दिखाई दिया, जिसने योजना के मानवीय उद्देश्य को साकार कर दिया। इस अवसर पर हितग्राहियों को 35 हजार का सांकेतिक चेक और प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मंगम्मा सोयम, उपाध्यक्ष महेश कुंजाम, जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू, माड़े बारसे, जनपद सदस्य मड़कम भीमा उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950